# घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 155- मंगलवार 07- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028


## भाजपा का मिशन जारी...यूनिफॉर्म सिविल कोड और 'वन नेशन,वन इलेक्शन' पर देश में गंभीर चर्चा : पीएम मोदी

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** भारतीय जनता पार्टी के 47 वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सत्ता में रहकर हासिल की गई बहुत सी उपलब्धियों के बाद भाजपा का मिशन अभी भी जारी है और यूनिफॉर्म सिविल कोड तथा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देश में गंभीर चर्चा हो रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा आगे भी हर चुनौती का सामना ईमानदारी से करती रहेगी और सकारात्मक परिणाम मिलते रहेंगे। वीडियो संदेश से पार्टी कार्यकर्ताओं को आज संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश जानता है कि भाजपा ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले भी सरकार के प्रयासों से सकारात्मक नतीजे मिले हैं और भविष्य में भी इसी दिशा में कार्य जारी रहेगा। प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया गया, लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नए संसद भवन का निर्माण कराया गया, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया और तीन तलाक जैसी कुप्रथा पर कानून बनाकर रोक लगाई गई। इसके अलावा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण जैसे निर्णय भी राष्ट्रहित में उठाए गए कदम हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी कार्यों से यह स्पष्ट होता है कि भाजपा केवल वादे नहीं करती,बल्कि उन्हें पूरा भी करती है।

प्रधानमंत्री ने दोहराया कि पार्टी का लक्ष्य एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भाजपा निःस्वार्थ भाव से निरंतर कार्य करती रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रसेवा के संकल्प को और मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा देश की चेतना को नई ऊर्जा और प्रेरणा देने का कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है, जहां कार्यकर्ता पार्टी को अपनी 'मां' के रूप में देखते हैं,और इसलिए स्थापना दिवस उनके लिए भावनात्मक महत्व रखता है। उन्होंने देशभर के करोड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन पार्टी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है,जिसने उन्हें राष्ट्रसेवा का अवसर प्रदान किया। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में, जब पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, पार्टी के भीतर नई ऊर्जा और कार्यशैली में बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री ने पार्टी की वैचारिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया। उन्होंने कहा कि मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि दशकों तक अनुच्छेद 370 देश की एकता और अखंडता के लिए चुनौती बना रहा और उसे हटाना असंभव माना जाता था, लेकिन भाजपा ने अपने संकल्प को पूरा करते हुए इसे समाप्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा शुरू से ही 'एक भारत,श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ काम करती रही है और देश की एकता को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को 'वन नेशन,वन टैक्स' का उदाहरण बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से देश को आर्थिक रूप से एकजुट किया गया। साथ ही 'वन नेशन, वन राशन कार्ड','वन नेशन, वन ग्रिड' जैसी पहलों ने भी राष्ट्रीय एकीकरण को मजबूती दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा की सफलता के पीछे लाखों कार्यकर्ताओं का त्याग, तपस्या और समर्पण है।

उन्होंने कहा कि यह वही समझ सकता है,जिसने पार्टी के मूल्यों और सिद्धांतों के लिए स्वयं को समर्पित किया हो। उन्होंने संगठन में लगातार आ रहे बदलाव और नई कार्यशैली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भाजपा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरणा मिली,जिसने साफ नीयत और सुचिता के साथ राजनीति में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया। समय के साथ भाजपा ने खुद को एक मजबूत कैडर आधारित पार्टी के रूप में स्थापित किया।

### भाजपा का मंत्र नेशनल फर्स्ट : अमित शाह

अमित शाह ने लिखा- भाजपा का मूल मंत्र हमेशा स्पष्ट रहा है,नेशनल फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट। इसी मूल भावना के साथ भाजपा का हर कार्यकर्ता दिन-रात राष्ट्र-सेवा में समर्पित है। भाजपा ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने के साथ देश को तुष्टीकरण से मुक्त,सुशासन,पारदर्शिता को स्थापित करने का कार्य किया है। आज भाजपा केवल एक पार्टी नहीं,बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपनों और आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बन चुकी है।

## जंगल में नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ जवान घायल,एयरलिफ्ट किया गया

**चाईबासा/रांची,06 अप्रैल 2026।** झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में मेंसारंडा वन क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ जारी 'एंटी-नक्सल'ऑपरेशन के दौरान सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्स प्लोसिव डिवाइस) की चपेट में आने से सीआरपीएफ का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। जवान को तत्काल मौके से रेस्क्यू कर बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,सुरक्षा बल चाईबासा के सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के विरुद्ध सघन तलाशी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान जंगल के रास्ते में नक्सलियों द्वारा पहले से प्लांट किए गए प्रेशर आईईडी पर जवान का पैर पड़ गया,जिससे जोरदार धमाका हुआ। इस विस्फोट की चपेट में आने से जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के तुरंत बाद आला अधिकारियों को सूचित किया गया और हेलीकॉप्टर के जरिए घायल जवान को रांची के अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। सुरक्षाबलों के अनुसार, सारंडा में पुलिस और नक्सलियों के बीच निर्णायक लड़ाई चल रही है। जनवरी महीने में एक साथ 17 नक्सलियों के मारे जाने के बाद बौखलाए नक्सलियों ने अब जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए जंगल के रास्तों और पगडंडियों पर भारी तादाद में विस्फोटक बिछा दिया है। फरवरी और मार्च के महीने में ही सारंडा में तीन भीषण ब्लास्ट हो चुके हैं, जिसमें एक ग्रामीण की मौत हुई है और कोबरा बटालियन के दो जवान घायल हुए हैं। 1 मार्च को भी इसी क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट हुआ था,जिसमें कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मल्लिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ताजा घटना के बाद चाईबासा और आसपास के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

## महाकुंभ के वायरल IITian बाबा अभय सिंह ने इंजीनियर लड़की से की शादी,पिता से मिलने पहुंचे तो बोले...हम दोनों अपनी जिंदगी में खुश हैं...

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** प्रयागराज महाकुंभ-2025 में चर्चा में आए IITian बाबा अभय सिंह ने शादी कर ली है। उनकी पत्नी का नाम प्रतीका है,जो मूल रूप से कर्नाटक की रहने वाली हैं और इंजीनियर हैं। अभय सिंह सोमवार को लंबे समय बाद पिता से मिलने झज्जर पहुंचे,जहां उन्होंने अपनी शादी की जानकारी दी और कहा कि वे दोनों अपनी जिंदगी से पूरी तरह खुश हैं। अभय सिंह ने बताया कि 15 फरवरी को हिमाचल प्रदेश के अघंजर महादेव मंदिर में उन्होंने शादी की, जबकि 19 फरवरी को कोर्ट मैरिज भी पूरी की। उन्होंने कहा कि इसमें छिपाने वाली कोई बात नहीं है। उनकी पत्नी प्रतीका भी उनके साथ झज्जर आईं। अभय ने बताया कि वे फिलहाल हिमाचल की धर्मशाला में सादगी से रह रहे हैं। सोमवार सुबह भगवा कपड़े पहने अभय सिंह सबसे पहले झज्जर में एक बैंक गए,फिर एडवोकेट पिता कर्ण सिंह के चैंबर पहुंचे। पिता उस समय चैंबर में नहीं थे। अभय ने कहा कि पहले भी वे यहां आकर पिता की एप्लिकेशन्स चेक किया करते थे। आज चैंबर में आकर अच्छा लगा। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के दौरान भी वे स्टडी करते रहते थे कि कौन-सा केस कैसे लगता है। पत्नी प्रतीका ने कहा कि अभय काफी सरल स्वभाव के, ईमानदार और सच्चे इंसान हैं। उन्होंने बताया कि वे एक साल पहले अभय से मिली थीं। अब दोनों मिलकर सनातन को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। वे विचार कर रहे हैं कि आगे चलकर सनातन यूनिवर्सिटी बनाएं, जहां अध्यात्म से जुड़े गुरु और साधक एक जगह पर इकट्ठा हो सकें।

## खड़गे का विवादित बयान! गुजरात के लोगों को बताया अशिक्षित,भाजपा का पलटवार-क्या गांधी-पटेल भी अनपढ़ थे?

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** केरल विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दौर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक बयान देश की राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है। खड़गे ने केरल की जनता को चतुर बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कथित तौर पर गुजरात व उत्तर भारत के लोगों को 'अशिक्षित' करार दिया। इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर 'बांटो और राज करो' की राजनीति करने का गंभीर आरोप लगाया है। केरल में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा,'केरल के लोग बहुत चतुर और शिक्षित हैं। मोदी जी और मुख्यमंत्री विजयन,आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के अशिक्षित लोगों को मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन केरल के लोगों को नहीं।' खड़गे का तर्क था कि केरल की उच्च साक्षरता दर के कारण वहां की जनता को गुमराह करना नामुमकिन है। गौरतलब है कि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इस पर कड़ा पलटवार किया। उन्होंने खड़गे से पूछा कि क्या वे महात्मा गांधी, सरदार पटेल और खुद कांग्रेस के दिग्गज नेताओं जैसे नेहरू और इंदिरा गांधी की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठा रहे हैं, जो उत्तर भारत और गुजरात से आते थे? त्रिवेदी ने तंज कसते हुए कहा, 'मैं राहुल गांधी के बारे में नहीं पूछूंगा क्योंकि उनके बारे में पूरा देश जानता है। केरल के लोग वाकई समझदार हैं, इसीलिए उन्होंने तिरुवनंतपुरम निकाय चुनाव में भाजपा को चुना। ' खड़गे के बयान को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

## चाय जनजातियों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करती रही कांग्रेस : जेपी नड्डा

**असम,06 अप्रैल 2026।** विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा सोमवार को असम पहुंचे। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने असम की चाय जनजातियों को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया, लेकिन उनके वास्तविक विकास की अनदेखी की। दुमदुमा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार रुपेश गोवाला के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि वर्षों तक समर्थन मिलने के बावजूद चाय जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हर चुनाव में इन समुदायों से वोट तो लिए, लेकिन उनके भविष्य को नजरअंदाज किया।

## राज्यसभा में 19 नए सदस्यों ने शपथ ली

### शरद पवार व्हीलचेयर पर पहुंचे,16 अप्रैल से तीन दिन का विशेष सत्र

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार समेत 19 नए और दोबारा चुने गए राज्यसभा सदस्यों ने सोमवार को शपथ ली। शरद पवार व्हीलचेयर पर शपथ लेने के लिए संसद पहुंचे। शपथ लेने वालों में 5 महाराष्ट्र,3 ओडिशा,6 तमिलनाडु और 5 पश्चिम बंगाल के सदस्य है। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन की मौजूदगी में सभी सदस्यों को शपथ दिलाई गई। 16 अप्रैल से तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है। दरअसल,10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटें 2 अप्रैल को खाली हुई थीं। इन सीटों के 26 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए थे, जबकि बाकी 11 सीटों पर 16 मार्च को वोटिंग हुई।

**16 अप्रैल से राज्यसभा का विशेष सत्र :** सांदसों के शपथ ग्रहण का आयोजन ऐसे समय हुआ, जब संसद का सत्र नहीं चल रहा है। हालांकि इस मौके पर उप सभापति हरिवंश और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू भी मौजूद थे। किरेन रिजिजू ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर सभी दलों से साथ आने की अपील की। महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर संसद का विशेष सत्र 16 अप्रैल से बुलाया जाएगा। 16,17 और 18 अप्रैल को सदन में महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े अहम बिल पर चर्चा की जाएगी। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। प्रस्तावित 50% की बढ़ोतरी के साथ सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी,जिसमें से 273 (करीब एक तिहाई) सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार ने 2023 में संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण विधेयक पेश किया था। उसी दौरान इस बिल को आधिकारिक रूप से 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' कहा गया।

## सत्ता में बने रहने के लिए एलडीएफ और भाजपा के बीच समझौता : प्रियंका गांधी

**तिरुवनंतपुरम,06 अप्रैल 2026।** कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को केरल के कन्नूर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने भाजपा के साथ समझौता कर लिया है। प्रियंका ने कहा कि एलडीएफ 10 साल तक सत्ता में बने रहने के लिए अपनी विचारधारा और जिम्मेदारी से समझौता कर रही है। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी ने पेरावूर में कहा कि एलडीएफ ने उस भाजपा से समझौता किया है जो अल्पसंख्यकों को परेशान करती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ईसाई समुदाय और उनकी नन को परेशान करती है, फिर भी एलडीएफ उनके साथ है। प्रियंका ने सबरीमाला में हुई चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर एक शब्द भी नहीं बोला। उनके अनुसार, यह चुप्पी दोनों पार्टियों के बीच समझौते का बड़ा सबूत है। प्रियंका गांधी ने केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब भी कोई प्रधानमंत्री के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसे सीबीआई, ईडी या इनकम टैक्स के मुकदमों का सामना करना पड़ता है। लेकिन केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ ऐसा एक भी मामला नहीं है।

## अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू पर भ्रष्टाचार के आरोप,सुप्रीम कोर्ट ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** अरुणाचल प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक स्वयंसेवी संस्था ने मुख्यमंत्री पेमा खांडू पर भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के सनसनीखेज आरोप लगाए। आरोपों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने परिवार के सदस्यों को न केवल सरकारी नौकरियां दीं, बल्कि उनकी निजी कंपनियों को पिछले दस वर्षों में लगभग 1270 करोड़ रुपये के सरकारी ठेके भी दिए। इन विस्फोटक दावों के बाद मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुँच गया,जिसने अब इस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच करने का जिम्मा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप दिया है। अरुणाचल प्रदेश में साल 2016 से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। पेमा खांडू उसी साल कांग्रेस के विधायकों के एक बड़े गुट के साथ पाला बदलकर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज हुए थे। तब से लेकर अब तक वे इस पद पर बने हुए हैं। आरोप है कि इसी लंबे कार्यकाल का लाभ उठाकर राज्य में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं की गईं। शिकायतकर्ता संस्था का दावा है कि राज्य के महत्वपूर्ण सरकारी कॉन्ट्रैक्ट मुख्यमंत्री की पत्नी और अन्य रिश्तेदारों की विभिन्न कंपनियों को सौंपे गए।

## शराब घोटाला मामला : अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सीबीआई को नोटिस,दिल्ली हाईकोर्ट में 13 अप्रैल को सुनवाई

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अदालत में अपना पक्ष खुद रखने की बात कही है। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो की एक याचिका पर सुनवाई कर रहे जज को बदलने की मांग की है। मामले की सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। इस संबंध में केजरीवाल ने अदालत में एक नई याचिका दाखिल की। केजरीवाल की इस याचिका पर अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस जज बदले जाने की मांग से संबंधित है। केजरीवाल ने अदालत में स्पष्ट किया है कि वह अपने मामले की पैरवी स्वयं करेंगे। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो की मूल याचिका पर हो रही सुनवाई के दौरान जज को बदलने की मांग की है। केजरीवाल का मानना है कि जज का बदला जाना न्याय प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। उन्होंने अपनी याचिका में इस बदलाव के पीछे के कारणों का भी उल्लेख किया है। अदालत ने इस संवेदनशील मुद्दे पर केंद्रीय जांच ब्यूरो से जवाब मांगा है। यह घटनाक्रम मामले की न्यायिक कार्यवाही में एक महत्वपूर्ण मोड़ लेकर आया है। यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो की उस अपील से संबंधित था। अपील में ट्रायल कोर्ट द्वारा केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत अन्य आरोपियों को दी गई राहत को चुनौती दी गई थी। इससे पहले, केजरीवाल ने मुख्य न्यायाधीश डी.के उपाध्याय के समक्ष मामले को किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने की मांग की थी। इस मांग को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया था कि मामले से हटने का निर्णय संबंधित न्यायाधीश को ही लेना होता है।

ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में सभी आरोपियों को बरी करते हुए जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। इसके बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। पिछले महीने हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति शर्मा ने ट्रायल कोर्ट के कुछ निष्कर्षों पर पुनर्विचार की आवश्यकता जताई थी।

उन्होंने जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश पर भी रोक लगा दी थी। यह मामला कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़ा है। केजरीवाल और अन्य पर इस मामले में अनियमितताओं का आरोप है।

## देश में रसोई गैस का पर्याप्त भंडार,घबराकर अनावश्यक भंडारण न करें : केंद्र सरकार

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** केंद्र सरकार ने लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और ईंधन की आपूर्ति को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रहीं तमाम प्रकार की भ्रामक खबरों और अफवाहों पर लोगों से विश्वास न करने की अपील की है। सरकार ने कहा है कि भारत में ईंधन और गैस का पर्याप्त स्टॉक है। उपभोक्ता अपनी आवश्यकतानुसार ही खरीदारी करें और घबराकर अनावश्यक भंडारण न करें। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और प्रतिदिन लगभग 50 लाख सिलेंडर बेचे जा रहे हैं। पिछले 14 दिनों में 6.75 लाख से अधिक छोटे सिलेंडर बेचे गए हैं। शर्मा ने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार ने 5 किलोग्राम वाले छोटे एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री तेज कर दी है। इसके लिए उपभोक्ता केवल एक वैध पहचान पत्र के साथ नजदीकी विक्रेता से 5 किलो का सिलेंडर ले सकता है। इसके लिए आवास प्रमाण-पत्र की जरूरत नहीं है। चार अप्रैल को इसकी बिक्री 90 हजार के पार पहुंच गई। किसी भी विक्रेता के पास स्टॉक खत्म होने की स्थिति नहीं है। पिछले पांच सप्ताह में लगभग 18 करोड़ घरों को एलपीजी सिलेंडर पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण एलपीजी आयात प्रभावित हुआ है, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से मंगवाता है। सरकार ने समय रहते अतिरिक्त कार्गो का इंतजाम कर लिया है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में पिछले दो दिनों में करीब 5,500 जागरूकता शिविर लगाए गए हैं जिसमें 6,700 पांच किलो के सिलेंडर बेचे गए हैं।

इन राज्यों में आंध्रपदेश, असम, बिहार,छत्तीसगढ़,चंडीगढ़,दिल्ली, गोवा,गुजरात,हरियाणा,हिमाचल प्रदेश,जम्मू-कश्मीर,झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा,पुडुचेरी,पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन बुकिंग अब तक के उच्चतम स्तर 97 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

## पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने बंगाल पर हमले की धमकी दी,केंद्र सरकार चुप है : ममता बनर्जी

**कोलकाता,06 अप्रैल 2026।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को नदिया जिले में चुनावी जनसभा के दौरान केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर तीखा निशाना साधा। उन्होंने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के कथित बयान से लेकर चुनाव प्रक्रिया तक कई मुद्दों पर सवाल उठाए। ममता बनर्जी ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा कोलकाता तक हमले की धमकी देने जैसी बात बेहद गंभीर है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस पर भारत सरकार की ओर से अब तक कोई कड़ी प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का मंत्री कोलकाता को निशाना बनाने की बात कैसे कर सकता है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल बंगाल आए थे,उन्होंने इस पर कुछ क्यों नहीं कहा? क्यों नहीं बताया कि सख्त कदम उठाए जाएंगे? हम इसकी जांच चाहते हैं।

## देश में रसोई गैस दिहाड़ी मजदूरों की पहुंच से बाहर : राहुल गांधी

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान देश में एलपीजी की हो रही किल्लत पर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि देश में इस समय रसोई गैस दिहाड़ी मजदूरों की पहुंच से बाहर हो गई है। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए सरकार पर आरोप लगाया कि उसने एलपीजी संकट को बिल्कुल कोविड महामारी की तरह लिया है। नीति शून्य, बड़ी घोषणाएं और पूरा बोझ गरीबों पर डाल दिया गया है। 500 से 800 रुपये की दिहाड़ी कमाने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए रसोई गैस अब पहुंच से बाहर हो गई है। रात को घर लौटने वाले मजदूर के पास चूल्हा जलाने तक के पैसे नहीं हैं। नतीजा यह है कि मजदूर शहर छोड़कर गांव लौटने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो मजदूर वस्त्र मिलों और कारखानों की रीढ़ हैं, आज वही टूट रहे हैं। वस्त्र उद्योग पहले से ही गहन संकट में है और विनिर्माण दम तोड़ रहा है। यह संकट आया कहां से? इसका कारण वह कूटनीतिक चूक है जिसे सरकार आज तक स्वीकार नहीं करती। नेता प्रतिपक्ष ने सवाल किया कि हर संकट में सबसे पहले गरीब क्यों मरता है? यह सिर्फ गरीब का नहीं, हम सबका सवाल है।

## संपादकीय

# विश्व में शांति बनाए रखने की चुनौती

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इतिहासकारों का कार्य सरल कर दिया है। वे खुद को महान शांतिदूत बताते हैं। फिर भी,अपने युद्ध मंत्री की इच्छापूर्ति के लिए ईरान पर आक्रमण कर दिया। हमले के बाद से वे लगभग प्रतिदिन विजय की घोषणा करते आ रहे हैं। वे कहते हैं कि अमेरिकी सुरक्षा के लिए कनाडा एवं ग्रीनलैंड पर भी आधिपत्य आवश्यक है। उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को सपत्नीक उठवा लिया है। क्यूबा उनकी जकड़न में पहले से ही है। वे भारत पर भी इन दिनों अपनी मनमानी चलाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी बातों को कोई मानता है या नहीं,उनकी प्रतिष्ठा एवं उनके देश की साख पर इसका कैसा असर होता है, इस सब पर वे ध्यान नहीं देते। उनके लिए इस तथ्य का भी कोई महत्व नहीं है कि विश्व का हर देश,परिवार और व्यक्ति अमेरिका-इजरायल एवं ईरान युद्ध की विभीषिका से प्रभावित है,कष्ट में है और भविष्य को लेकर आशंकाओं से घिरा है। इस युद्ध ने भारत सहित विश्व के सौ से अधिक देशों को कष्टपूर्ण ढंग से प्रभावित किया है।

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात स्थापित संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और उसकी सुरक्षा परिषद अपना आभामंडल बहुत पहले से ही खो चुके हैं। दुनिया में मारकाट मची है,लेकिन वे कहां हैं,क्या कर रहे हैं किसी को पता नहीं। वे निस्तेज होकर कहीं पड़े हैं। जबकि उसकी शिक्षा और संस्कृति से जुड़ी संस्था यूनेस्को का सूत्र वाक्य है कि युद्ध मनुष्य के मस्तिष्क में निर्मित होते हैं। अतः शांति का संरक्षण भी वहीं से प्रारंभ होगा। बड़ी उम्मीदों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गठन किया गया था,परंतु अपनी श्रेष्ठता के अहंकार में डूबे पूर्व उपनिवेशवादी देशों ने अपने स्वार्थ में अंधे होकर इसे प्रभावहीन कर दिया है। साम्राज्यवाद समाप्त हो गया। उपनिवेशवाद अपने को बचा नहीं सका,लेकिन जिन्होंने केवल अन्य देशों को लूटना ही लक्ष्य बनाया था,वे आज भी अपने वर्चस्व की जके न से निकल नहीं पा रहे हैं,लोकतंत्र के सार-तत्व को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। कितने ही उदाहरण दिए जा सकते हैं।

मिस्र ने जब स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण किया,तब ब्रिटेन, फ्रांस और इजरायल ने उस पर चढ़ाई कर दी। इसके लिए उन्होंने तर्क दिया कि यह उनकी सुरक्षा और रणनीतिक दृष्टि से आवश्यक है,विश्व हित में भी है, लेकिन उस आक्रमण से ब्रिटेन की जो वैश्विक साख गिरी,वह आज तक भी बहाल नहीं हो पाई है। उस समय दूसरे विश्व युद्ध को समाप्त हुए केवल दस वर्ष ही हुए थे। यूएन आज के मुकाबले अधिक प्रभावशाली था। तब अमेरिका ने सुरक्षा परिषद में युद्ध विराम का प्रस्ताव पास कराया,यह आशंका व्यक्त करते हुए कि कहीं तीसरा विश्व युद्ध प्रारंभ न हो जाए। आज ट्रंप का अमेरिका खुद ही विश्व को तीसरे विश्व युद्ध की आग में झोंक रहा है। 20वीं सदी में दो विश्व युद्ध, रूसी गृहयुद्ध तथा चीनी गृहयद्ध में करोड़ों निर्दोष नागरिक और सैनिक मारे गए थे। आज भी उस विभीषिका के दोहराए जाने का भय लगातार बना हुआ है।

गत दिनों अमेरिका और इजरायल ने बिना किसी से कोई संवाद किए ईरान पर आक्रमण कर दिया। इसीलिए विश्व का कोई भी अन्य देश खुलकर उनका साथ नहीं दे रहा है। इस समय हर देश में युवा वर्ग के दृष्टिकोण में परिवर्तन हो रहा है। उसमें मानव की समानता की व्यावहारिक समझ बे ी है। अपने स्वार्थ के लिए शांति, समानता और राष्ट्रीय सार्वभौमिकता जैसे विचारों को तिलांजलि देने का समय अब नहीं रहा। विश्व के अन्य देशों का इस युद्ध से दूर रहना इसी बे` ऐतिहासिक परिवर्तन को स्थापित करता है। भारतीय नेतृत्व ने इस कठिन समय में भी धैर्य का परिचय देते हुए राष्ट्रहित और जनहित को प्राथमिकता दी है। इसकी सामान्यजन में सराहना हो रही है,लेकिन इस युद्ध से आम लोगों को हो रहे कष्ट को दूर करने के लिए जरूरी है कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी पार्टियां एकजुट हों। जो केवल सरकार की आलोचना कर रहे हैं, वे कोई व्यावहारिक विकल्प प्रस्तुत करते नजर नहीं आ रहे हैं।

मनुष्य मात्र की एकता के पक्षधर समय-समय पर न केवल शांति, सहयोग और समन्वय की महती आवश्यकता का मानवहित में प्रचार-प्रसार करते रहे, बल्कि वे उसकी व्यावहारिकता भी सिद्ध करने में सफल हुए। महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग जूनियर,नेल्सन मंडेला जैसे महापुरुषों से लोग प्रभावित हुए, उनका साथ दिया,लक्ष्य प्राप्त करने में सफलताएं भी मिलीं,लेकिन हिंसा, अविश्वास,पंथक कट्टरता,वर्चस्व की अमिट आकांक्षा कम होने के स्थान पर बढ़ती ही रही। हिंसा और युद्ध न रुके,न ही समाप्त हुए।

मानव इतिहास की यह कैसी विडंबना है कि विश्व में शिक्षा और साक्षरता का सराहनीय प्रसार हुआ है,मनुष्य की मानवीय प्रवृत्तियों की समझ भी बड़ी है। इनके मनोवैज्ञानिक,सामाजिक पक्ष की गहराई तक शोध और अध्ययन हो चुके हैं, लेकिन मनुष्य की क्रूरता घटी नहीं,बल्कि बड़ी ही है। शिक्षाशास्त्री मानते रहे हैं कि हर राष्ट्र का भविष्य उसके स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थाओं में लिखा जाता है। इतिहास के वर्तमान कालखंड में यह अत्यंत स्वीकार्य तथ्य लगता है। सभी वैश्विक समस्याओं का समाधान भारत की ज्ञानार्जन और उसके सदुपयोग की परंपरा में निहित हैं। भारत को ही शांति स्थापना में अपने ऐतिहासिक उत्तरदायित्व को निभाने की दीर्घकालीन रणनीति तैयार करानी होगी। अन्य कोई रास्ता नहीं है।

## सुविचार

**पढ़ाई और जीवन में क्या अंतर है ?**
**स्कूल में पाठ पहले पढ़ाया जाता है और फिर परीक्षा ली जाती है जबकि जीवन में पहले परीक्षा होती है और फिर सबक सीखने को मिलता है।**

- टाम बोडेट

# जब हुई छत्तीसगढ़ विधानसभा की गोपनीय बैठक

लेखक श्री बृजमोहन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री एवं वर्तमान में रायपुर लोकसभा से सांसद हैं

- विचारधारा से प्रारम्भ हुई क्रान्ति लेवी,वसूली,लूटपाट एवं डकैती में परिवर्तित हो गई,इसलिए इसका अंत स्वाभाविक और सुनिश्चित था : बृजमोहन अग्रवाल
- मोदी,शाह और साय की रणनीति ने 60 साल के नासूर से देश और छत्तीसगढ़ को मुक्ति दिलाई
- नक्सलवाद को सामाजिक-आर्थिक समस्या बताकर संरक्षण देने वाले बेनकाब हुए सांसद बृजमोहन
- छत्तीसगढ़ अब आसानी से बनेगा विकसित छत्तीसगढ़
- बस्तर और आदिवासी क्षेत्रों में अब बहेगी शिक्षा,स्वास्थ्य,सडक,बिजली,पानी,राशन और रोजगार की बयार
- भय से विश्वास तक: एक युगांतकारी परिवर्तन

छह दशकों तक भारत की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास यात्रा को चुनौती देता रहा नक्सलवाद आज अपने निर्णायक अवसान की अवस्था में पहुँच चुका है। यह केवल एक सुरक्षा सफलता नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकल्प की विजय है,जिसमें स्पष्ट नीति,अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति और केंद्र-राज्य के अभूतपूर्व समन्वय ने मिलकर एक जटिल और दीर्घकालिक समस्या का समाधान किया है।

नक्सलवाद का यह अवसान इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि भारत में बंदूक की शक्ति अंततः लोकतंत्र की सामूहिक शक्ति के आगे टिक नहीं सकती। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया–इसके पीछे दशकों का संघर्ष, अनगिनत बलिदान और एक ऐसी रणनीतिक निरंतरता रही है,जिसने अंततः इस चुनौती को निर्णायक रूप से परास्त किया।

इस ऐतिहासिक क्षण पर मैं उन सभी वीर जवानों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ–केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों,कोबरा कमांडो, छत्तीसगढ़ पुलिस और स्थानीय सुरक्षाबलों के उन रणबाँकुरों को–जिन्होंने अपने सर्वोच्च बलिदान से इस संघर्ष को निर्णायक मुकाम तक पहुँचाया। यह विजय उनके अदम्य साहस और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण की अमिट गाथा है।

### नक्सलबाड़ी से रेड कॉरिडोर तक : एक वैचारिक आंदोलन का हिंसक विस्तार

भारत में नक्सलवाद का उदय वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुआ,जिसकी वैचारिक जड़ें तत्कालीन सोवियत संघ और चीन की उग्र वामपंथी विचारधारा में थीं। अपनी विकास विरोधी छवि के कारण जब बंगाल में इस विचारधारा के प्रति विरोध पनपने लगा तो अपने विस्तार के लिए नक्सलवाद ने सॉफ्ट टारगेट्स की तलाश शुरू की–ऐसे क्षेत्र जहाँ शासन की पहुँच सीमित हो,सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ अधिक हों और जन जागरूकता कम हो। देश के वनांचल, आदिवासी और खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्र इस दृष्टि से सबसे आसान लक्ष्य थे। नक्सलवाद विस्तार की इसी रणनीति के तहत तथाकथित रेड कॉरिडोर विकसित हुआ,जो तिरुपति से पशुपति तक फैले विशाल भूभाग में फैल गया।

तेलंगाना,आंध्र प्रदेश,महाराष्ट्र,ओडिशा, झारखंड,मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से घिरा छत्तीसगढ़,जिसका लगभग 42 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, इस रेड कॉरिडोर का रणनीतिक केंद्र बन गया। पे ेसी राज्यों से अपनी गतिविधियाँ सीमित रखने का अघोषित समझौता कर नक्सली अबूझमाड़ क्षेत्र में संगठित होते चले गए। अपनी दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण दशकों तक प्रशासनिक सर्वेक्षण से दूर रहा अबूझमाड़ नक्सलियों का सुरक्षित शेल्टर बन गया।

### विचारधारा से विचलन : माओवाद से मनीवाद तक

समय के साथ नक्सलवाद ने अपनी मूल वैचारिक पहचान खो दी और एक हिंसक आर्थिक उगाही तंत्र में परिवर्तित हो गया। बस्तर और सरगुजा जैसे वनाच्छादित जनजातीय क्षेत्रों में नक्सलियों ने समानांतर सत्ता संरचना स्थापित कर दी, जहाँ तथाकथित जन अदालतों के माध्यम से भय आधारित नियंत्रण कायम किया गया।

छत्तीसगढ़ के खनिज सम्पन्न क्षेत्रों की खदानें,विद्युत परियोजनाएँ,तेंदूपत्ता व्यापार–सभी उनके लिए उगाही के स्रोत बन गए। सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों,ठेकेदारों और यहाँ तक कि पुलिस बलों से भी जबरन वसूली की जाने लगी । यह उगाही धीरे-धीरे इतनी बढ़ी कि छत्तीसगढ़ में इसका वार्षिक आंकड़ा हजारों करोड़ रुपये तक पहुँचने की चर्चा होने लगी।

सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस में यह विचारधारा समाप्त हो गई। चीन ने भी माओवाद की सशस्त्र संरचना को छोड़कर आर्थिक सुधारों पर आधारित पूंजीवादी कम्युनिज्म मॉडल को अपना लिया,लेकिन भारत में नक्सलवाद अपने मूल उद्देश्यों से भटककर लेवी वसूली और हिंसा फैलाने का टूल बन गया। नक्सलवाद के झंडाबरदारों ने विचारधारा को त्यागकर इसे अपने आर्थिक हितों की पूर्ति और आतंक फैलाने का साधन बना लिया।

### नक्सलवाद के वैचारिक समर्थन की राजनीतिक पृष्ठभूमि

दुर्भाग्य से,कांग्रेस-नीत सरकारों के लंबे शासनकाल में नक्सलवाद के प्रति स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव रहा क्योंकि उस दौर में केंद्र और कई राज्यों में भी वामपंथी पार्टियां कांग्रेस के सहयोगी की भूमिका में थीं। सत्ता के लिए वामपंथ के साथ कांग्रेस की राजनीतिक निकटता का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार करने की बजाय इसे सामाजिक-आर्थिक संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर वैधता प्रदान करने की नीति हावी हो गई।

उस दौर में प्रशासनिक तंत्र के भीतर भी यह वैचारिक भ्रम दिखाई देता था। नक्सलवाद को सामाजिक समता पाने का वर्ग संघर्ष ठहराने के दृष्टिकोण से प्रशिक्षित किए गए आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की नीतियाँ भी नक्सलवाद के विरुद्ध कठोर होने के बजाय सहानुभूतिपूर्ण हो गई थीं।

इस ढुलमुल नीति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद देश के 12 राज्यों के लगभग 180 जिलों में फैल गया और छत्तीसगढ़ के गठन के बाद से ही प्रदेश के समग्र विकास की राह में सबसे बे ा रोड़ा बन गया।

### राष्ट्रीय चेतना का उदय : मेरे प्रारंभिक अनुभव

छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहते हुए मुझे बस्तर क्षेत्र में काम करने का अवसर मिला जहां नक्सलवाद रूपी दैत्य से मेरा प्रथम साक्षात्कार हुआ और यह आभास भी हुआ कि दंडकारण्य में इस दैत्य का दमन केवल हथियारों से नहीं किया जा सकता। नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष की भूमि तैयार करने के लिए इस क्षेत्र में वैचारिक जनजागरण की नितांत आवश्यकता थी और इसलिए जनजातीय समाज के बीच राष्ट्रीयता का अलख जगाने के प्रकल्प में मैंने भी अपनी भागीदारी निभाई।

1990 के दशक में स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा जी के नेतृत्व में रायपुर के पुराने कमिश्नर कार्यालय के बीटीआई कम्युनिटी परिसर में आयोजित बैठक में पहली बार यह निर्णय लिया गया कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष को राष्ट्रीयता के व्यापक संदर्भ में लड़ा जाएगा। यही वह निर्णायक मोड़ था जब नक्सलवाद की समस्या को केवल कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के परिप्रेक्ष्य में देखा गया।

### जब हुई छत्तीसगढ़ विधानसभा की गोपनीय बैठक

वर्ष 2003 से 2006 के बीच,जब मुझे मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह जी की सरकार में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री के रूप में कार्य करने का उत्तरदायित्व मिला,तब प्रदेश में पहली बार नक्सलवाद के विरुद्ध एक ठोस,नीतिगत और समन्वित अभियान प्रारंभ किया गया। ज्वाइंट एफर्ट,ज्वाइंट कमांड और ज्वाइंट पॉलिसी के सिद्धांत पर केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करने के प्रयास किए गए।

तात्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटील जी के साथ इस विषय पर मेरी कई गंभीर और विस्तृत मंत्रणाएँ हुई थीं। उस दौर में इस विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए देश के इतिहास में पहली बार विधानसभा में गोपनीय बैठकों का आयोजन किया गया,ताकि लोग बिना किसी भय के खुलकर अपनी बात रख सकें। तात्कालीन स्पीकर प्रेम प्रकाश पांडेय जी की अध्यक्षता में आयोजित की जाने वाली इन बैठकों से अधिकारियों और पत्रकार साथियों को भी दूर रखना जरूरी हो गया था। इन मंत्रणाओं के परिणामस्वरूप बनी रणनीति के तहत तात्कालीन डीजीपी ओपी राठौड़ के नेतृत्व में कई अभियान चलाए गए और इसी क्रम में सलवा जुडूम जैसे जनअभियान की शुरुआत हुई।

### सलवा जुडूम : जनभागीदारी का ऐतिहासिक अध्याय

हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि अशिक्षा,अज्ञानता और दुष्प्रचार के कारण स्थानीय समाज का एक बड़ा हिस्सा नक्सलवाद के प्रति सहानुभूति रखता था। इस स्थिति को बदलने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। स्कूलों, महाविद्यालयों और छात्रावासों में पर्चे और साहित्य वितरित किए गए। घर-घर जाकर नक्सलवाद की वास्तविकता को उजागर किया गया। इस अभियान में दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू जैसे संस्थानों से जुड़े राष्ट्रवादी विचारकों और छात्रों का भी सहयोग लिया गया।

जनजातीय समाज को यह समझाया गया कि नक्सल नेतृत्व में स्थानीय छत्तीसगढ़ी आदिवासियों की भागीदारी शून्य है। जल जंगल जमीन के नारों की आड़ में हमारे भोले-भाले आदिवासियों का उपयोग केवल एक साधन के रूप में किया जा रहा था। यह भी सामने आया कि नक्सलियों के द्वारा आदिवासी युवतियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था,उन्हें शोषण का शिकार बनाया जाता था, उन्हें विवाह तक नहीं करने दिया जाता और सामान्य सामाजिक जीवन जीने तक से वंचित रखा जाता था।

इन सभी कड़वी सच्चाइयों के उजागर होने से आई जनजागृति का परिणाम यह हुआ कि नक्सलवाद को मिलने वाला सामाजिक समर्थन कमजोर पड़ने लगा। जब नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा बने सलवा जुडूम के अगुआ सलवा जुडूम केवल एक सरकारी पहल नहीं थी,बल्कि आदिवासी समाज के भीतर से उठा एक स्वाभाविक जनआंदोलन था, जिसने पहली बार सही मायने में नक्सलवाद को चुनौती दी। तात्कालीन नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा जी ने न केवल इस अभियान को पुरजोर समर्थन दिया बल्कि इसे जमीन पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। इस संघर्ष से जुड़े रहने के कारण अंततः उन्हें अपने प्राणों की आहुति तक देनी पड़ी–जो इस आंदोलन की गंभीरता और बलिदान की पराकाष्ठा का साक्षात प्रमाण है। नक्सलवाद ने हमें झीरम जैसे दंश दिए जिसमें प्रदेश के अग्रणी नेता काल कलवित हो गए।

सलवा जुडूम जनआंदोलन को अगर व्यापक संस्थागत समर्थन मिला होता, तो निश्चित ही नक्सलवाद का उन्मूलन उसी दौर में हो जाता, पर वैधानिक संस्थानों में काम करने वाले कई लोगों की सलवा जुडूम के खिलाफ लामबंदी,अर्बन नक्सली बुद्धिजीवियों के वैचारिक विरोध और केंद्र सरकार के नीतिगत असमंजस के कारण यह अवसर पूर्ण रूप से साकार नहीं हो सका।

### समन्वित नेतृत्व से निर्णायक परिवर्तन

वास्तविक परिवर्तन तब आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में नक्सलवाद के विरुद्ध स्पष्ट,कठोर और समन्वित नीति अपनाई गई। नक्सलवाद को महज कानून-व्यवस्था की समस्या न मानकर, राष्ट्र की एकता,विकास और लोकतांत्रिक ढांचे के लिए गंभीर चुनौती मानते हुए नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए समयबद्ध रणनीति तैयार की गई।

केंद्र और राज्य सरकारों के सशक्त समन्वय के परिणामस्वरूप दिसंबर 2023 से मार्च 2026 के बीच सुरक्षा बलों ने लगातार सटीक और प्रभावी कार्रवाई करते हुए सैकड़ों कुख्यात नक्सलियों को निष्क्रिय किया, हजारों को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित किया और बड़ी संख्या में गिरफ्तारियाँ सुनिश्चित कीं। लैंड माइंस का व्यापक निष्क्रियकरण हुआ और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए।

### केंद्र और राज्य के समन्वित दृष्टिकोण और साझे प्रयासों से छह दशक पुराने नक्सलवाद के नासूर को जड़ से समाप्त करने का मार्ग प्रशस्त हुआ

नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ की बुनियाद पर विकसित छत्तीसगढ़ गढ़ने का संकल्प वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए अब हमें नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ में गढ़ने के लिए दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा। जिस प्रकार आर्टिकल 370 के उन्मूलन से जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति और राष्ट्रीय एकीकरण का आधार बना,उसी प्रकार नक्सलवाद का समापन छत्तीसगढ़ के लिए एक नए युग का द्वार खोल रहा है। जिन क्षेत्रों में कभी शासन की पहुँच सीमित थी,वहाँ अब सड़कों का जाल बिछ रहा है,मोबाइल नेटवर्क स्थापित हो रहे हैं,बैंकिंग सेवाएँ सुलभ हो रही हैं और शिक्षा-स्वास्थ्य की सुविधाएँ तेजी से विस्तार पा रही हैं। बस्तर और आसपास के क्षेत्रों में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है,वह केवल भौतिक नहीं,बल्कि मानसिक और सामाजिक भी है। जहाँ कभी गनतंत्र का साया था,वहाँ आज जनतंत्र विश्वास और विकास के साथ स्थापित हो रहा है।

अब चुनौती इस सफलता को स्थायी बनाने की है–ऐसी सामाजिक,आर्थिक और प्रशासनिक संरचना खड़ी करने की, जहाँ किसी भी प्रकार की हिंसक विचारधारा को पनपने का अवसर ही न मिले। आत्मसमर्पण करने वाले युवाओं के पुनर्वास,कौशल विकास, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को प्राथमिकता देना आवश्यक है,ताकि वे पुनः हिंसा के रास्ते पर न लौटें।

### बुलेट पर बैलेट की निर्णायक विजय

नक्सलवाद पर यह विजय केवल एक आंतरिक सुरक्षा अभियान की सफलता नहीं है,बल्कि यह भारत के लोकतांत्रिक आत्मविश्वास की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। यह उस निर्णायक परिवर्तन का संकेत है,जहाँ भय की राजनीति को विश्वास की शक्ति ने प्रतिस्थापित किया है और जहाँ बंदूक के साये में जी रहे समाज ने विकास और सहभागिता के मार्ग को अपनाया है।

जो लोग बंदूक और गोलियों के दम पर भय के माध्यम से छत्तीसगढ़ में छद्म राज्य की कल्पना करते थे उनका अंत हुआ और लोकतंत्र की विजय हुई। बुलेट पर बैलेट की जीत हुई। देश की जनता,छत्तीसगढ़ की जनता और विशेषकर बस्तर की जनता को इस ऐतिहासिक विजय की हृदय से शुभकामनाएं।

# विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल
नजफ्फगढ़,नई दिल्ली

### स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें,विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत,आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य,मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह,हमारा स्वास्थ्य',2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण',2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य- हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई

थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यू एच ओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है,जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक,मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे। हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है,वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स,कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग,मधुमेह,क्षयरोग,मोटापा,तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई,तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी,कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यक ताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है,वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक,मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं,जिसमें काफी असमानताएं हैं,जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है,जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे,जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं,जो सीधे तौर पर स्वच्छता,शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खे ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है,जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा।

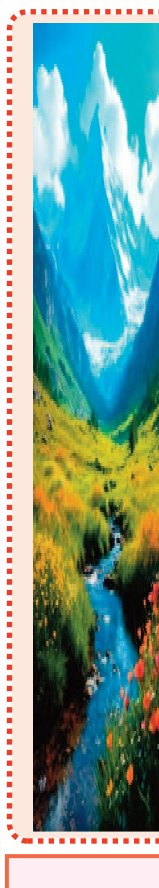

## प्राकृतिक पर्यावरण प्रदूषित

मोनिका डागा आनंद,
चेन्नई,तमिलनाडु

हर तरफ से हो रहा प्राकृतिक पर्यावरण प्रदूषित,
असंख्य आपदाएं विपदाएं झेल रहे हैं किसान,
कंक्रीटों का बिछ रहा जाल प्रदूषित वातावरण,
मौसम की उलट-फेर से दुखद हुए हैं दिनमान ।

गर्मी के मौसम में बरस रहे हैं मोटे-मोटे ओले,
फसलों को हो रहा हैं भारी-भरकम नुकसान,
बड़ी मात्रा में स्वास्थ्य संपदा अन्न को हुई हानि,
मगर चुप है एहसान फरामोश निर्दयी इंसान ।

पैसों की करेगा खेती उसी से भरेगा सबका पेट,
मति भ्रमित महत्वाकांक्षाओं का जड़त्व व्याख्यान,
प्रकृति को देकर चुनौती लापरवाह बन बैठा ये,
कर रहा है अंजानी समस्याओं का नित आव्हान ।

फट रहे कहीं बादल कहीं अतिवृष्टि कहीं सूखा,
डोल रही धरती भूकंप कहीं धंस रही है जमीन,
रोएं बेजुबान पशु-पक्षी पेड़-पौधे कहे दर्द किसे,
प्रकृति की नाराज़गी ने कर दिया जीवन गमगीन ।

ओ मूर्ख ! कितना भी उड़ ले हवा में हो मदहोश,
काल्पनिक अहम के जग में हो आनंद तल्लीन,
प्रकृति से मॉग ले तू अपने किए गुनाहों की माफी,
वरना हो जाएंगा तेरा अस्तित्व एक दिन विलीन ।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

# एनसीईआरटी की किताबें नहीं छपीं,फिर भी स्कूल खोलने की जल्दबाजी पर उठे सवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से पहले ही शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। अधिवक्ता व अभिभावक संघ के अध्यक्ष धनंजय मिश्रा ने बयान जारी करते हुए कहा है कि जब एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें अभी तक पूरी तरह से छपकर उपलब्ध नहीं हुई हैं,तो ऐसे में स्कूलों को खोलने की जल्दबाजी समझ से परे है। उन्होंने कहा कि हर साल सत्र शुरू होते ही अभिभावकों को किताबों,कॉपियों और अन्य शैक्षणिक सामग्री की व्यवस्था करनी होती है,लेकिन इस बार प्रमुख पाठ्यपुस्तकों की ही कमी बनी हुई है। ऐसी स्थिति में पढ़ाई का सुचारू संचालन संभव नहीं हो पाएगा। मिश्रा ने आरोप लगाया कि बिना समुचित तैयारी के सत्र प्रारंभ

करना छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। धनंजय मिश्रा ने यह भी कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है,जहां पहले से ही संसाधनों की कमी रहती है। वहां किताबें समय पर नहीं पहुंचने से छात्रों की पढ़ाई पूरी तरह बाधित हो सकती है। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि निजी स्कूलों में वैकल्पिक किताबें थोपे जाने का खतरा बढ़ सकता है,जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। अभिभावक संघ के अध्यक्ष ने शासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि जब तक सभी कक्षाओं के लिए एनसीईआरटी की किताबें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो जातीं,तब तक स्कूलों के नियमित संचालन पर पुनर्विचार किया जाए। साथ ही उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि किताबों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध योजना बनाई जाए,ताकि सत्र शुरू होते ही छात्रों को पूरी शैक्षणिक सामग्री मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस मुद्दे पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया,तो अभिभावक संघ आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होगा। उनका कहना है कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है और सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

### अंबिकापुर में निजी स्कूलों की किताब व्यवस्था पर लगे गंभीर आरोप

शहर में निजी स्कूलों की कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। पत्रकार दिलीप जायसवाल ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'अंबिकापुर के लुटेरे स्कूलों की लिस्ट देखिए,क्योंकि इन स्कूलों का रैकेट ऐसा है कि इनके द्वारा बच्चों को पढ़ाई जाने वाली किताबें कुछ चुनिंदा दुकानों में ही मिलती हैं,जैसे डॉक्टरों द्वारा लिखी दवाइयां उन्हीं के मेडिकल स्टोर में मिलती हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि इस व्यवस्था के कारण अभिभावकों को मजबूरी में उन्हीं निर्धारित दुकानों से महंगी किताबें खरीदनी पड़ती हैं,जिससे आर्थिक बोझ बढ़ता है। श्री जायसवाल ने आगे कहा कि यह एक सुनियोजित तंत्र की तरह काम कर रहा है,जिसमें अभिभावकों के पास कोई विकल्प नहीं बचता। हालांकि,उन्होंने यह भी दावा किया कि 'इन स्कूलों ने जिला प्रशासन और सरकार को खरीद लिया है',लेकिन इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि या प्रमाण सामने नहीं आया है। इस पूरे मामले को लेकर अभिभावकों में भी नाराजगी देखी जा रही है। कई अभिभावकों का कहना है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा एक ही दुकान से किताबें लेने का दबाव बनाया जाता है, जिससे प्रतिस्पर्धा खत्म हो जाती है और कीमतें बढ़ जाती हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या अभिभावकों को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाते हैं या नहीं।

## छेड़छाड़ के मामले में आरोपी गिरफ्तार,पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
थाना गांधीनगर पुलिस ने महिला से छेड़छाड़ के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस द्वारा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में सख्त वैधानिक कदम उठाए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार,प्रार्थिया ने थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 29 मार्च 2026 की शाम को करमहा, थाना कोतवाली निवासी कुलदीप रवि उसके घर में घुसकर गलत नीयत से छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 177/26 के तहत धारा 331(6) एवं 74 बी.एन.एस. के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़िता का बयान दर्ज किया और आरोपी की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कुलदीप रवि (40 वर्ष),निवासी करमहा,थाना कोतवाली अंबिकापुर बताया तथा अपराध करना स्वीकार किया। पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक दिलीप

दुबे,सहायक उप निरीक्षक ललन गुप्ता,प्रधान आरक्षक अमित सिंह, महिला आरक्षक सरस्वती एवं प्रिया रानी,आरक्षक राहुल सिंह और सैनिक अनिल साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## ढाई माह पूर्व हुई थी शादी,नव विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

कोतवाली क्षेत्र के केपी बतास बहरी में रविवार की शाम को नव विवाहिता फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पूर्व नव वावाहिता पति को फोन कर घर बुलाई और गले लगकर रोई। इसके बाद कमरे में जाकर फांसी लगा ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार पूजा गिरी पति मुकेश गिरी उम्र 19 वर्ष कोतवाली क्षेत्र के केपी बतासबहरी की रहने वाली थी। इसकी शादी ढाई माह पूर्व हुई थी। रविवार की शाम को पूजा को बुखार था। दवा लाने के लिए बोली तो पति बोला कि अभी डांस क्लास जा रहा हूं आते समय लेते आउंगा। शाम को 5 बजे पूजा पति को फोन कर घर बुलाई। पति को घर पहुंचते ही वह गले लगकर रोने लगी। इसके बाद दौडक़र घर के बाहर चली गई। परिजन पकडक़र वापस लाए। इसके बाद नव विवाहिता अपने कमरे में चली गई और दरवाजा अंदर से बंद कर ली। परिजन ने खिडक़ी से झांकर देखा तो वह फांसी लगा ली थी। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस ने बताया कि पति काम नहीं करता था। इस लिए पति-पत्नी के बीच विवाद होता था। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

## शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार,पुलिस की त्वरित कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

थाना गांधीनगर पुलिस ने दुष्कर्म के गंभीर मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। आरोपी पर पीड़िता को शादी का झांसा देकर लंबे समय तक दुष्कर्म करने का आरोप है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,पीड़िता ने दिनांक 03 अप्रैल 2026 को थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 10 अगस्त 2023 से 20 फरवरी 2026 के बीच ग्राम छिछोर उमरिया (रायगढ़) निवासी,वर्तमान में साईं मंदिर गली,गांधीनगर अंबिकापुर में रहने वाले महेश कुमार गुप्ता ने शादी का झांसा देकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 178/26 के तहत धारा 69 बी.एन.एस. एवं अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(1) के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और आरोपी की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद आरोपी महेश कुमार गुप्ता (30 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई,जिसमें उसने अपराध करना स्वीकार किया। पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व अनुविभागीय अधिकारी (ग्रामीण) तुल सिंह पट्टावी ने किया। वहीं थाना गांधीनगर से उप निरीक्षक दिलीप दुबे, महिला आरक्षक सरस्वती एवं प्रिया रानी,तथा आरक्षक जानकी राजवाड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## हायर सेकेंडरी हिन्दी की परीक्षा 10 अप्रैल को होगी फिर

### सभी केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्षों की हुई बैठक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा 2026 के तहत हिन्दी विषय की परीक्षा अब 10 अप्रैल को पुनः आयोजित की जाएगी। मंडल के निर्देश पर सोमवार को अंबिकापुर स्थित शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के हॉल में सभी केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरगुजा जिले के 71 परीक्षा केंद्रों के केंद्राध्यक्ष,सहायक केंद्राध्यक्ष तथा परिवहन कार्य में लगे जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा ने मंडल से प्राप्त पीपीटी के आधार पर परीक्षा संचालन से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मास्टर ट्रेनर के रूप में शासकीय हाई स्कूल सेदम के प्राचार्य रविशंकर पाण्डेय और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मणिपुरवार्ड के प्राचार्य एलपी गुप्ता ने केंद्राध्यक्षों व सहायक केंद्राध्यक्षों को परीक्षा संचालन की विस्तृत ट्रेनिंग दी। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि परीक्षा के बाद 13 अप्रैल से मूल्यांकन कार्य प्रारंभ होगा,जिसे दो दिनों के भीतर पूरा करना है। इसके लिए सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों को निर्देश दिया गया है कि हिन्दी विषय के शिक्षकों को तत्काल मूल्यांकन केंद्र के लिए कार्यमुक्त करें।

# अंबिकापुर में 22 घंटे में 4 हादसे,9 लोगों की मौत

## घटना के विरोध में आक्रोशित लोगों ने 4 घंटे तक किया अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग जाम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
सरगुजा जिले में तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार शाम 7 बजे से सोमवार सुबह 5 बजे के बीच महज 22 घंटे के अंदर अलग-अलग 4 सडक़ हादसों में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। लगातार हुई इन घटनाओं से पूरे जिले में शोक और आक्रोश का माहौल है। अंबिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-130 पर भिठीकला के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सडक़ किनारे चल रही 3 महिलाओं को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद वाहन अनियंत्रित होकर ट्राला से टकरा गया। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने चालक की जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह चालक को भीड़ से बचाया और लखनपुर अस्पताल में भर्ती कराया। मृतकों का सोमवार को पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार कर दिया गया।

**चक्काजाम और विरोध प्रदर्शन :** घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। रविवार शाम करीब 3 घंटे तक एनएच-130 पर चक्काजाम किया गया। सोमवार को शव गांव पहुंचने पर फिर विरोध भडक़ उठा और करीब 4 घंटे तक सडक़ जाम रही। लोगों ने टायर जलाकर प्रदर्शन किया और मुआवजे के साथ सडक़ सुरक्षा उपायों—जैसे स्ट्रीट लाइट और स्पीड ब्रेकर—की मांग की। प्रशासन की समझाइश के बाद आंदोलन समाप्त हुआ। मृतकों के परिजनों को 25-25 हजार रुपए की तात्कालिक सहायता दी गई।

**ऑटो-पिकअप भिड़ंत में 2 युवकों की मौत :** पहले हादसे के कुछ ही देर बाद मणिपुर थाना क्षेत्र के पास ऑटो और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में ऑटो सवार 2 युवकों—बादल नगेशिया (20) और विशाल साहू—की मौके पर ही मौत हो गई।

**कार-ट्रक भिड़ंत में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत :** सोमवार सुबह करीब 5 बजे अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग पर सकालो के पास कार और ट्रक की सीधी भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार सवार राहुल भगत (21),उसके पिता कइला राम (45) और मां मानमती (40) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि परिवार कोरबा से लौट रहा था।

### पीजी कॉलेज के पास हादसा,1 युवक की मौत

चौथी घटना सोमवार शाम करीब 5.30 बजे शहर के पीजी कॉलेज के पास हुई। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 3 युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया।

### सडक़ सुरक्षा पर उठे सवाल

लगातार हो रहे हादसों के बाद सडक़ सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से स्पीड कंट्रोल, स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग की है।

### स्वस्थ बेटियां,सक्षम बेटियां: छत्तीसगढ़ में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

## कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लखनपुर में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध प्रारंभ किए गए राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान को छत्तीसगढ़ की साय सरकार प्रदेशभर में प्रभावी रूप से क्रियान्वित कर रही है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के लखनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई। कैबिनेट मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर पहुंचकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने टीकाकरण के लिए आई बेटियों से मुलाकात कर उनसे आत्मीय बातचीत की और उन्हें एचपीवी वैक्सीन के महत्व के बारे

में जानकारी देते हुए इस टीके को लगाने के लिए प्रेरित किया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि यह टीकाकरण भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का प्रभावी उपाय है और सभी पात्र बालिकाओं को इसका लाभ अवश्य लेना चाहिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों एवं स्टाफ से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि अभियान को पूरी गंभीरता,सतर्कता और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किशोरियों तक इसका लाभ पहुंच सके। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में उपचाररत अन्य मरीजों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का उद्देश्य किशोरियों को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से सुरक्षित करना है,जो आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण बनता है। यह टीका विशेष रूप से 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है और इसे निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार'स्वस्थ नारी, सशक्त राष्ट्र' के संकल्प के साथ महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। एचपीवी टीकाकरण अभियान इसी सोच का सशक्त उदाहरण है,जो प्रदेश को सर्वाइकल कैंसर मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल साबित होगा।

## भाजपा का 47 वां स्थापना दिवस लुण्ड्रा मंडल में उत्साहपूर्वक मनाया गया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी के 47वें गौरवशाली स्थापना दिवस के अवसर पर लुण्ड्रा मंडल में भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लुण्ड्रा के विधायक प्रबोध मिंज जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा विधायक मिंज का पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुई। इसके पश्चात ध्वजारोहण कर भारत माता के छायाचित्र सहित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी,पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर धूप-दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को मिष्ठान वितरण कर स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। अपने उद्बोधन में विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की विचारधारा है। 6 अप्रैल 1980

को स्थापित भाजपा ने 'सबका साथ, सबका विकास,सबका विश्वास' के मंत्र के साथ देश को नई दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से राष्ट्र की प्रगति और एकता के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

## सदभावना चौक हत्याकांड...आरोपी की हुई पहचान, तलाश जारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर में 3 अप्रैल को सदभावना चौक के पास रिंग रोड किनारे एक मटन दुकान के झाला में महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और मामला दर्ज किया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें मृतका के साथ एक व्यक्ति घटना स्थल की ओर जाते दिखाई दिया। पुलिस ने आरोपी की पहचान पांडा उर्फ मिथुन के रूप में की है, जो मृतका की तरह कबाड़ बीनकर जीवन यापन करता था। फुटेज के अनुसार घटना रात करीब 1 बजे के बाद की है। आरोपी सुबह अलग-अलग मार्गों से होते हुए शहर के कई चौकों से गुजरकर रेलवे स्टेशन तक पहुंचा,जहां वह आखिरी बार देखा गया। इसके बाद वह पैदल अन्य क्षेत्रों की ओर फरार हो गया। पुलिस की टीमें लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हैं और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया गया है।

## महिला हत्या मामले में गिरफ्तारी नहीं,कांग्रेस का मौन धरना

### आज कैंडिल मार्च निकालने की घोषणा,कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
महामाया प्रवेश द्वार के पास महिला के साथ हुए दुर्दांत घटनाक्रम में अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज कांग्रेस सोमवार को सडक़ों पर उतरी। युवा कांग्रेस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए डेटा सेंटर के सामने मौन धरना दिया। धरने में युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव लिली श्रीवास विशेष रूप से मौजूद रहीं। धरना समाप्त होने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर

आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एक बेघर और गरीब महिला की हत्या के मामले में पुलिस अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सकी है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव द्वारा उठाए गए सवालों पर गृह मंत्री विजय शर्मा की प्रतिक्रिया को उन्होंने गैरजिम्मेदाराना बताया। पाठक ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था कमजोर हो गई है। पुलिस न तो नियमित गश्त कर पा रही है, न ही अपराधियों की समय पर गिरफ्तारी हो रही है। इसके अलावा अवैध अफीम खेती और नशे के कारोबार पर भी रोक नहीं लग पा रही है। उन्होंने राज्य में पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति की मांग भी उठाई। धरना कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### आज निकलेगा कैंडिल मार्च

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध, नशे के फैलते कारोबार और बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा 7 अप्रैल को शाम 5 बजे कैंडिल मार्च निकालेगी। यह मार्च राजीव भवन से शुरू होकर सद्भावना चौक तक जाएगा। मार्च का नेतृत्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव करेंगे।

# भाजपा का 47वां स्थापना दिवस कोरिया और सूरजपुर में धूमधाम से मनाया गया,संगठन सशक्त करने का लिया गया संकल्प

## भाजपा का स्थापना दिवस बना शक्ति प्रदर्शन,कोरिया-सूरजपुर में जुटे हजारों कार्यकर्ता

- 47 साल का सफर और आगे की रणनीति : भाजपा ने स्थापना दिवस पर दिखाई संगठन की ताकत
- ध्वजारोहण,सम्मान और संकल्प के साथ भाजपा ने मनाया स्थापना दिवस
- कोरिया से सूरजपुर तक गूंजा भाजपा का स्थापना दिवस,कार्यकर्ताओं में दिखा जबरदस्त उत्साह
- भाजपा का 47 वां स्थापना दिवसः संगठन विस्तार और चुनावी तैयारी पर जोर
- स्थापना दिवस पर भाजपा ने दिखाई एकजुटता,नेताओं ने दिया जीत का मंत्र

-संवाददाता-
बैकुंठपुर/सूरजपुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के 47 वें स्थापना दिवस के अवसर पर कोरिया और सूरजपुर जिलों में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, दोनों ही स्थानों पर कार्यकर्ताओं में उत्साह, जोश और संगठन के प्रति समर्पण का अद्भुत माहौल देखने को मिला,ध्वजारोहण,पुष्पांजलि, वैचारिक गोष्ठी,लाभार्थी सम्मान और कार्यकर्ता सम्मेलन जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पार्टी के गौरवशाली इतिहास,सिद्धांतों और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

### बैकुंठपुर में भव्य आयोजन, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी

बैकुंठपुर में भाजपा जिला कोरिया द्वारा शहर मंडल मुख्यालय में स्थापना दिवस कार्यक्रम अत्यंत भव्य रूप में आयोजित किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक भैयालाल राजवाड़े रहे,जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने की, कार्यक्रम में पूर्व विधायक द्वारका गुप्ता,मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक,नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे,जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े,भाजपा जिला उपाध्यक्ष बसंत राय, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेश शिवहरे सहित जिले के सभी वार्डों के पार्षद,महिला मोर्चा,युवा मोर्चा,पिछड़ा वर्ग मोर्चा एवं अन्य प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मण्डल महामंत्री रमन गुप्ता द्वारा किया गया।

### ध्वजारोहण, पुष्पांजलि और पारंपरिक स्वागत से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ-

कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके बाद भारत माता एवं पार्टी के प्रेरणास्रोत महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए, इस दौरान उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने राष्ट्र एवं संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत कर उन्हें मंचासीन किया गया, जिससे आयोजन का वातावरण और अधिक गरिमामय हो गया।

### लाभार्थी सम्मान समारोह बना मुख्य आकर्षण, अनुभव साझा कर जताया आभार-

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण लाभार्थी सम्मान समारोह रहा, इसमें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को मंच पर सम्मानित किया गया, लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार योजनाओं ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महिलाओं और समाज के विभिन्न वर्गों की उल्लेखनीय उपस्थिति ने इसे और भी विशेष बना दिया।

### विधायक भैयालाल राजवाड़े का संबोधनः भाजपा राष्ट्र निर्माण का संकल्प

मुख्य अतिथि विधायक भैयालाल राजवाड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं,बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम है, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है और देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है,उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकास की नई दिशा तय हो रही है,जिसका लाभ प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है,विधायक ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे संगठन को और मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करें तथा आगामी चुनावों में पूरी ताकत के साथ जुट जाएं।

### जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने गिनाई उपलब्धियां,चुनावी तैयारी का आह्वान

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने अपने संबोधन में पार्टी के 47 वर्षों के गौरवशाली इतिहास,संगठन विस्तार,संघर्ष और सेवा यात्रा का विस्तार से उल्लेख किया,उन्होंने कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी बन चुकी है,जिसका श्रेय लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत,समर्पण और जनता के अटूट विश्वास को जाता है,उन्होंने आगामी नगर पालिका चुनाव को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनावी तैयारी में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, विकास और सुशासन के मुद्दों पर भाजपा मजबूती से चुनाव लड़ेगी और निश्चित रूप से जीत हासिल करेगी।

**नेताओं ने रखे विचार,संगठनात्मक मजबूती और अनुशासन पर जोर-** पूर्व जिला महामंत्री राजेश महलवाला ने संगठन की कार्यप्रणाली,अनुशासन और संरचना पर विस्तार से जानकारी दी,उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रत्येक स्तर पर सक्रिय रहकर समाज सेवा और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी,पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष ने पार्टी की कार्यपद्धति और विभिन्न वर्गों तक पहुंच बनाने के प्रयासों पर अपने विचार व्यक्त किए, उन्होंने कहा कि भाजपा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

### सूरजपुर में भी गरिमामय आयोजन, वैचारिक चिंतन और संगठन विस्तार पर जोर

सूरजपुर में स्थानीय भाजपा कार्यालय अटलकुंज में स्थापना दिवस कार्यक्रम हर्षोल्लास और गरिमा के साथ आयोजित किया गया, कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष एवं रेडक्रॉस चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल रहे, उन्होंने अपने संबोधन में भाजपा की स्थापना, उसके वैचारिक मूल्यों और संगठन की निरंतर बढ़ती ताकत पर विस्तार से प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हो चुकी है और इसका आधार कार्यकर्ताओं की निष्ठा एवं समर्पण है।

**कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति-**सूरजपुर कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन दिया,कार्यक्रम का संचालन महामंत्री राजू देवांगन ने किया,जबकि आभार प्रदर्शन मंडल कोषाध्यक्ष प्रदीप सोनी 'बल्लू' ने किया,इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजय अग्रवाल 'अज्जू',डॉ. एच. एन. चतुर्वेदी, महिला मोर्चा जिला महामंत्री देवन्ती साहू,देवमुनीया साहू, किरण सोनी, ज्योति देवांगन, ललन सोनवानी, अजय सिंह, प्यारेलाल साहू, शिवशंकर साहू 'पौधा', लक्ष्मण कसेरा, सत्यनारायण गुप्ता, संदीप जायसवाल, आशीष गुप्ता, किशन देवांगन, शेखर शाहा, लालसाय विश्वकर्मा, संदीप साहू, अजय कसेरा, शानू साहू, गौरीशंकर साहू, भूपेंद्र रजवाड़े सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### ध्वजारोहण,मिठाई वितरण और राष्ट्रगान के साथ समापन

कार्यक्रम के दौरान ध्वजारोहण किया गया और कार्यकर्ताओं के बीच मिठाई वितरित कर स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी गईं,अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सभी उपस्थितजनों ने एकजुट होकर राष्ट्र और संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण व्यक्त किया।

### एक स्वर में संकल्प संगठन सशक्त,सेवा निरंतर

कोरिया और सूरजपुर दोनों जिलों में आयोजित इन कार्यक्रमों ने यह स्पष्ट किया कि भाजपा संगठनात्मक मजबूती,सेवा भावना और जनसमर्पण के साथ आगे बढ़ रही है, कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे और आगामी चुनावों में पूरी मजबूती के साथ भाग लेकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे,भाजपा का 47 वां स्थापना दिवस न केवल एक उत्सव के रूप में बल्कि आत्ममंथन,संगठन विस्तार और भविष्य की दिशा तय करने के अवसर के रूप में भी मनाया गया,जिसने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

## भाजपा स्थापना दिवस पर अंबिकापुर में उत्साहपूर्ण आयोजन,संगठन मजबूती का संकल्प

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर संकल्प भवन जिला कार्यालय में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया एवं महापौर मंजूषा भगत की उपस्थिति में ध्वजारोहण के साथ हुई। कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ता पंडित दीनदयाल चौक पहुंचे, जहां उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा की साफ-सफाई कर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यालय परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया और महिला कार्यकर्ताओं ने रंगोली बनाकर उत्सव को और खास बनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर स्थापना दिवस मनाया। सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का संकल्प है। उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी,अटल बिहारी वाजपेयी सहित महान नेताओं के विचारों को स्मरण करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि सेवा, सुशासन और विकास भाजपा की मूल भावना है और कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं। वहीं नगर निगम अध्यक्ष हरमिंदर सिंह टिन्नी ने भाजपा के संघर्षपूर्ण इतिहास को याद करते हुए संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में पार्षद एवं एमआईसी सदस्य मनीष सिंह, वरिष्ठ नेत्री सावित्री जायसवाल ने भी अपने विचार रखे। संचालन जिला महामंत्री अरुणा सिंह ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## सरगुजा में मामूली सड़क हादसा बना सांप्रदायिक तनाव की वजह...गांव में पसरा सन्नाटा...

-संवाददाता-
धौरपुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है,जिसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि छोटी-सी घटना किस तरह सामाजिक तनाव का रूप ले सकती है। धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डूमरडीह में एक साधारण सड़क दुर्घटना ने देखते ही देखते विवाद, फिर हिंसा और अंततः सांप्रदायिक तनाव का रूप ले लिया।

### घटना की शुरुआत : एक सामान्य टक्कर

पूरा मामला 2 अप्रैल का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रोहितेश्वर प्रताप सिंह अपनी कार से ककनी स्थित फार्म हाउस की ओर जा रहे थे। इसी दौरान डूमरडीह नाले के पास उनकी कार की टक्कर कादिर खान के ऑटो से हो गई। पहली नजर में यह एक सामान्य सड़क दुर्घटना थी,जिसमें किसी को गंभीर चोट नहीं आई। लेकिन मौके पर ही दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई,जिसने धीरे-धीरे विवाद का रूप ले लिया।

### कहासुनी से बढ़ा विवाद,आरोप-प्रत्यारोप शुरू

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई। आरोप है कि कादिर खान ने इस घटना के बाद आक्रोश में आकर रोहितेश्वर के फार्म हाउस तक पहुंचकर गाली-गलौज की। इस घटना ने पहले से मौजूद तनाव को और बढ़ा दिया। स्थानीय स्तर पर यह विवाद धीरे-धीरे दो समुदायों के बीच चर्चा का विषय बन गया।

**रास्ता रोकने की घटना ने बढ़ाया तनाव :** बताया जा रहा है कि जब रोहितेश्वर डूमरडीह हाईस्कूल के पास पहुंचे, तब कादिर खान ने उनका रास्ता रोक लिया। इस दौरान दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ,जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। किसी तरह वहां से निकलकर

रोहितेश्वर अपने फार्म हाउस पहुंचे,लेकिन विवाद यहीं खत्म नहीं हुआ।

**फार्म हाउस में घुसकर हमला :** कुछ ही देर बाद कादिर खान अपने साथियों–मोहम्मद खान,हयात खान,अल्ताफ खान और फरहान खान–के साथ फार्म हाउस पहुंचा।

आरोप है कि आरोपियों ने वहां पहुंचकरः रोहितेश्वर प्रताप सिंह के साथ मारपीट की वाहन को पत्थरों और डंडों से क्षतिग्रस्त किया परिसर में तोड़फोड़ की सबसे गंभीर आरोप यह है कि इस दौरान कथित रूप से उकसाने वाले धार्मिक नारे लगाए गए, जिससे मामला व्यक्तिगत विवाद से निकलकर सांप्रदायिक रंग लेने लगा।

### गांव में फैला तनाव और भय का माहौल

- घटना की खबर फैलते ही डूमरडीह गांव और आसपास के क्षेत्रों में तनाव का माहौल बन गया।
- ग्रामीणों में डर और असुरक्षा की भावना देखने को मिली
- कई जगह लोगों ने एहतियात के तौर पर अपने घरों से बाहर निकलना कम कर दिया
- स्थिति को देखते हुए प्रशासन को तुरंत हस्तक्षेप करना पड़ा

**पुलिस की त्वरित कार्रवाई :** पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर 4 अप्रैल को पुलिस ने मामला दर्ज किया। इसके बाद धौरपुर पुलिस ने तेजी दिखाते हुए गांव में घेराबंदी की और मुख्य आरोपी कादिर खान सहित पांचों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है,जिनमें शामिल हैं:

- मारपीट
- संपत्ति को नुकसान पहुंचाना
- शांति भंग करना
- अन्य गंभीर अपराध

गिरफ्तार आरोपियों को स्थानीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

### प्रशासन की सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था

**घटना के बाद प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए...**

- गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया
- संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी शुरू की गई है
- अफवाहों पर रोक लगाने के लिए लोगों से अपील की

अधिकारियों के अनुसार,वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस अलर्ट मोड पर है।

## प्रख्यात व्यवसायी इंदरचंद नाहटा का निधन,शहर में शोक की लहर

-संवाददाता-
सूरजपुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर नगर के मेन रोड निवासी प्रतिष्ठित व्यवसायी इंदरचंद नाहटा का 60 वर्ष की आयु में निधन हो गया, उनके निधन की खबर से पूरे शहर में शोक की लहर फैल गई है, बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे, इंदरचंद नाहटा, शहर के जाने-माने व्यवसायी ताराचंद नाहटा के पुत्र थे और स्थानीय व्यापारिक जगत में उनकी पहचान एक सरल, मिलनसार एवं सक्रिय व्यक्ति के रूप में थी, वे ताराचंद दिनेशचंद फर्म के संचालक थे और अपने कार्यक्षेत्र में विशेष प्रतिष्ठा रखते थे। उनके निधन से न केवल परिवार बल्कि पूरे व्यापारी समुदाय को गहरा आघात पहुंचा है, परिवार में वे दिनेशचंद नाहटा और कन्हैयालाल नाहटा के भाई थे। उनके व्यवहार और सामाजिक सक्रियता के कारण वे समाज में सम्मानित स्थान रखते थे।

उनके निधन की खबर मिलते ही परिजनों, मित्रों, व्यापारियों और समाज के लोगों का उनके निवास पर तांता लग गया,उनका अंतिम संस्कार स्थानीय रेणुका नदी तट स्थित मुक्ति धाम में किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर उन्हें अंतिम विदाई दी, इस दौरान उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

## बलरामपुर में 'खूनी' मोड़ःआमने-सामने टकराईं दो तेज रफ्तार बाइकें,प्रधान पाठक ने मौके पर तोड़ा दम

-संवाददाता-
बलरामपुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

क्षेत्र के ग्राम चिनिया में सोमवार दोपहर करीब 3:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में प्रधान पाठक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सलवाही नवापारा में पदस्थ प्रधान पाठक दयाशंकर सिंह मरकाम अपने साथी अनिल मरकाम के साथ बैंक कार्य से रामानुजगंज आ रहे थे।इसी दौरान संतोषी नगर पिपराही की ओर से आ रही दूसरी बाइक से ग्राम चिनिया के पास एक मोड़ पर

आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दयाशंकर सिंह मरकाम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं उनके साथी अनिल मरकाम घायल हो गए। दूसरी बाइक पर सवार विक्रम (18 वर्ष) और सूरज मंडल (18 वर्ष),पिता मृत्युंजय मंडल, निवासी संतोषी नगर पिपराही, भी घायल हुए हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस के माध्यम से सभी घायलों को 100 बिस्तर अस्पताल रामानुजगंज पहुंचाया,जहां डॉक्टर सकेंद्र गुप्ता की देखरेख में उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि घायल दोनों युवक बलरामपुर स्थित महिंद्रा शोरूम में कार्यरत हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

CMYK

# सूरजपुर में जुए का 'जंगल राज'!

## वीडियो में पुलिसकर्मी का चेहरा

## सिस्टम पर बड़े सवाल

### वायरल वीडियो में जुआ और वर्दी का मेल? सूरजपुर में कार्रवाई पर उठे गंभीर प्रश्न

- जुआ चलता रहा...सिस्टम सोता रहा...वीडियो में पुलिसकर्मी की मौजूदगी से मचा हड़कंप
- सूरजपुर में जुए का खेल या सिस्टम की मिलीभगत? वीडियो ने खोली परतें
- जब रखवाले ही बने खिलाड़ी! वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी की एंट्री से बढ़ा विवाद
- जुआ,जंगल और वर्दी! सूरजपुर में कानून पर भारी कौन?
- वीडियो में जुआ,नामों की चर्चा और वर्दी की मौजूदगी–क्या कार्रवाई अब भी दूर?
- सूचना लीक,जुआ जारी और सिस्टम मौन–सूरजपुर में आखिर चल क्या रहा है?
- वायरल वीडियो ने खोली पोल–जुआ पर लगाम या सिस्टम पर सवाल?
- जुए के खेल में वर्दी की भूमिका? सूरजपुर में उठे असहज सवाल

-शमरोज खान-

सूरजपुर, 06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले में कथित रूप से संचालित जुआ नेटवर्क अब सिर्फ एक स्थानीय मुद्दा नहीं रह गया है,बल्कि यह प्रशासनिक निष्क्रियता,सूचना तंत्र की कमजोरी और जवाबदेही के अभाव का प्रतीक बनता जा रहा है,सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरें,पूर्व में प्रकाशित खबरें, और सूत्रों के दावे से इन सभी को जोड़कर देखने पर एक गंभीर तस्वीर उभरती है, हालांकि यह स्पष्ट किया जाता है कि इन वायरल वीडियो और तस्वीरों की स्वतंत्र पुष्टि दैनिक घटती घटना नहीं करता, लेकिन बार-बार सामने आ रही सामग्री इस बात की ओर संकेत जरूर करती है कि मामला साधारण नहीं है।

बता दे की सूरजपुर जिले में कथित जुआ संचालन से जुड़ा वायरल वीडियो अब एक नए और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है, इस वीडियो में एक ऐसा चेहरा भी सामने आने की चर्चा है, जिसे सूत्र एक पुलिसकर्मी ड्राइवर के रूप में पहचान रहे हैं, बताया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति का नाम पंकज सिंह है, जो कथित तौर पर वीडियो में मौजूद दिखाई दे रहा है, जहां वह न केवल मौजूद है बल्कि पैसों के लेन-देन के बीच सक्रिय भूमिका में नजर आ रहा है, सूत्रों का दावा है कि इस पूरे खेल में कुछ पुलिसकर्मियों की भी संलिप्तता की चर्चाएं पहले से होती रही हैं,और अब वीडियो में एक चेहरा कैमरे में कैद होना इस मामले को और गंभीर बना देता है,ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब कानून लागू कराने वाली व्यवस्था से जुड़े लोग ही कथित रूप से इस तरह की गतिविधियों में शामिल नजर आएं,तो कार्रवाई की उम्मीद किससे की जाए, हालांकि,यह स्पष्ट किया जाता है कि वीडियो के समय और सत्यता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित व्यक्ति की आधिकारिक पहचान भी जांच का विषय है, लेकिन वीडियो में जो दृश्य सामने आ रहे हैं, वे अनुशासन और व्यवस्था दोनों पर सीधे सवाल खड़े करते हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित अधिकारी इस मामले को किस गंभीरता से लेते हैं और क्या निष्पक्ष जांच के माध्यम से सच्चाई सामने लाई जाती है।

### राजनीतिक स्तर तक पहुंचा मामला

यह भी बताया जा रहा है कि इस पूरे मामले की जानकारी और शिकायत भाजपा के पूर्व गृह मंत्री तक भी पहुंचाई गई थी, बताया जाता है कि कार्रवाई के लिए पहल भी हुई,लेकिन परिणाम सामने नहीं आया,यह स्थिति यह संकेत देती है कि मामला केवल प्रशासनिक स्तर तक सीमित नहीं है,बल्कि इसकी गूंज राजनीतिक स्तर तक भी पहुंच चुकी है।

### बार-बार सामने आते नाम और चुप्पी

वायरल सामग्री में जिन नामों की चर्चा हो रही है,वे सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बन चुके हैं,लेकिन आधिकारिक पुष्टि का अभाव इस पूरे मामले को और उलझा रहा है,ऐसी स्थिति में न तो आरोप पूरी तरह साबित हो रहे हैं और न ही खारिज,जिससे भ्रम और संदेह दोनों बने हुए हैं।

### सिस्टम के हाथ बंधे हैं या बांध दिए गए हैं?

पूरे घटनाक्रम को देखते हुए यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या जिम्मेदार विभाग वास्तव में असमर्थ हैं? या फिर किसी अदृश्य दबाव के कारण निष्क्रिय हैं? स्थिति कुछ ऐसी प्रतीत होती है मानो कार्रवाई की इच्छा और क्षमता के बीच कोई भारी अवरोध खड़ा हो गया हो।

### दैनिक घटती-घटना की लगातार रिपोर्टिंग...फिर भी नतीजा शून्य

इस पूरे प्रकरण को स्थानीय समाचार पत्र दैनिक घटती-घटना द्वारा कई बार प्रमुखता से प्रकाशित किया जा चुका है,इसके बावजूद कोई बड़ा खुलासा सामने नहीं आया कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दी,न ही किसी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ यह स्थिति यह संकेत देती है कि या तो मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया या फिर कार्रवाई की प्रक्रिया कहीं अटक गई।

### जिले के लिए गंभीर संकेत

यदि इन आरोपों में सच्चाई है,तो यह केवल जुआ का मामला नहीं बल्कि संगठित अवैध गतिविधियों का संकेत है,इससे कानून व्यवस्था प्रभावित हो सकती है,अपराध को बढ़ावा मिल सकता है,प्रशासनिक विश्वसनीयता पर असर पड़ता है इसलिए इस मामले की अनदेखी अब संभव नहीं है।

### सवाल बहुत हैं,जवाब अब भी बाकी

सूरजपुर में सामने आए इस पूरे प्रकरण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मामला केवल एक वायरल वीडियो तक सीमित नहीं है,लगातार सामने आ रही सामग्री,नामों की चर्चा,सूचना लीक के आरोप और कार्रवाई का अभाव ये सभी मिलकर एक गंभीर स्थिति की ओर संकेत करते हैं,अब आवश्यकता है निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की,जिम्मेदारियों के निर्धारण की और ठोस कार्रवाई की,क्योंकि यदि अब भी स्थिति नहीं बदली,तो यह केवल एक मामला नहीं रहेगा,यह सिस्टम पर जनता के भरोसे की परीक्षा बन जाएगा।

### वायरल वीडियोः पुराना या नया,लेकिन सवाल वही

वायरल हो रहे वीडियो को लेकर यह स्पष्ट नहीं है कि वे हाल के हैं या पुराने, लेकिन यह निश्चित है कि ऐसे वीडियो पहले भी सामने आ चुके हैं, वीडियो में कथित रूप से ताश के पत्तों के साथ बड़ी रकम के लेन-देन के दृश्य दिखाई देते हैं,इन वीडियो में कुछ व्यक्तियों के नाम शमशेर खान और राजकुमार जायसवाल के रूप में चर्चा में हैं, हालांकि इनकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,बार-बार सामने आ रही ऐसी सामग्री यह सवाल खड़ा करती है कि यदि यह सब निराधार है तो फिर इतनी लगातार सामग्री सामने क्यों आ रही है,और यदि इसमें सच्चाई है तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही?

### स्थान और संचालन पर चर्चा

सूत्रों के अनुसार यह पूरा मामला सूरजपुर जिले के रामानुजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुमेली जंगल से जुड़ा बताया जा रहा है,जंगल जैसे सुनसान क्षेत्र में इस प्रकार की गतिविधियों का संचालन होना यह संकेत देता है कि मामला संगठित और योजनाबद्ध हो सकता है। हालांकि,इस स्थान की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

### पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल

लगातार वायरल सामग्री और पूर्व रिपोर्टिंग के बावजूद पुलिस की निष्क्रियता सबसे बड़ा प्रश्न बनकर सामने आई है,मुख्य सवाल क्या पुलिस को इन गतिविधियों की जानकारी नहीं है? यदि जानकारी है तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या किसी स्तर पर लापरवाही या दबाव काम कर रहा है? स्थिति ऐसी प्रतीत होती है कि कार्रवाई की अपेक्षा 卐प्रतीक्षा卐 ज्यादा सक्रिय है।

### साइबर सेल की भूमिकाः निगरानी या मौन दर्शक?

इस पूरे मामले में साइबर टीम की भूमिका भी सवालों के घेरे में है, जब वीडियो और तस्वीरें खुलेआम वायरल हो रही हैं,नामों की चर्चा सार्वजनिक रूप से हो रही है तो ऐसे में साइबर निगरानी के बावजूद कोई ठोस परिणाम सामने न आना गंभीर चिंता का विषय है,सूत्रों के अनुसार साइबर से जुड़े एक व्यक्ति उदय का नाम भी चर्चा में है,जिस पर कथित रूप से सूचना लीक करने का आरोप लगाया जा रहा है। हालांकि,इस दावे की भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

### सूत्रों का दावाः गिरोह में फूट से खुल रहा मामला

सूत्रों के अनुसार,कथित जुआ संचालन करने वाले समूह के भीतर आपसी विवाद उत्पन्न हो गया है,बताया जा रहा है कि गिरोह का एक सदस्य कार्रवाई चाहता है,इसी कारण वीडियो और तस्वीरें बाहर आ रही हैं,यदि यह दावा सही है,तो यह मामला और भी गंभीर हो जाता है क्योंकि इसका मतलब है कि अवैध गतिविधि लंबे समय से चल रही थी।

### छापेमारी से पहले सूचना लीकः सिस्टम की सबसे बड़ी कमजोरी?

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे गंभीर पहलू है,सूचना लीक होने का आरोप, सूत्रों के अनुसार कार्रवाई के लिए टीम रवाना होने वाली थी,लेकिन पहले ही सूचना संबंधित लोगों तक पहुंच गई,शाम लगभग 6 बजे ही जुआ गतिविधि बंद कर दी गई, सभी संबंधित लोग मौके से हट गए,यदि यह आरोप सही साबित होते हैं, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि सिस्टम के भीतर गंभीर खामी का संकेत है।

### स्पष्ट अस्वीकरण

वायरल वीडियो और तस्वीरों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं की गई है, सभी आरोप जांच के अधीन हैं,उल्लेखित व्यक्तियों के नामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

## सूरजपुर जुआ कांडः वायरल वीडियो के बाद कार्रवाई,चालक और थाना प्रभारी निलंबित,साइबर भूमिका पर सवाल बरकरार

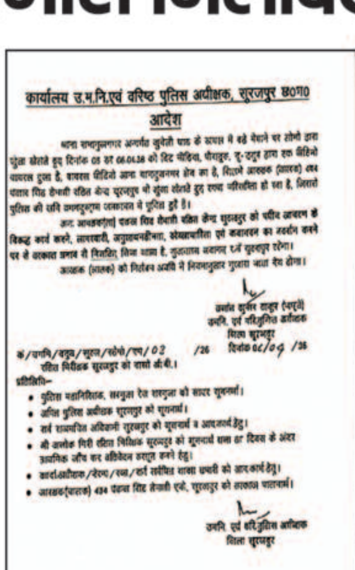
कार्यालय उ.म.नि. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सूरजपुर छ0ग0
आदेश

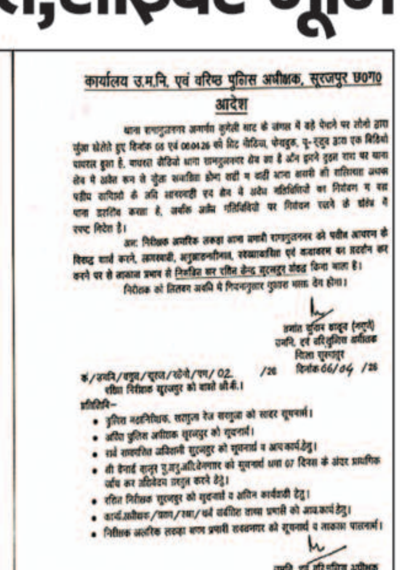
कार्यालय उ.म.नि. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सूरजपुर छ0ग0
आदेश

-संवाददाता-

सूरजपुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले में कथित जुआ संचालन का मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए आरक्षक (चालक) पंकज सिंह तथा रामानुजनगर थाना प्रभारी अलरिक लकड़ा को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो और उससे उत्पन्न स्थिति के बाद की गई है,सूरजपुर जुआ प्रकरण में प्रारंभिक कार्रवाई की गई है,लेकिन मामले के अन्य पहलुओं की जांच अभी शेष है, आवश्यक है कि सभी संबंधित बिंदुओं की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए,ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

### वायरल वीडियो से मामला उजागर

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कथित रूप से रामानुजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुमेली घाट के जंगल में कुछ लोगों को जुआ खेलते हुए दिखाया गया है,वीडियो में बड़ी रकम के साथ ताश खेलते लोग दिखाई दे रहे हैं,इसमें एक व्यक्ति की पहचान आरक्षक (चालक) पंकज सिंह के रूप में चर्चा में आई है,वीडियो की सत्यता और समय की पुष्टि जांच के अधीन है।

### आरक्षक पंकज सिंह निलंबित

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, सूरजपुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार आरक्षक (चालक) पंकज सिंह को निलंबित किया गया है, आदेश में उल्लेख किया गया है कि उनका आचरण विभागीय नियमों के अनुरूप नहीं पाया गया तथा इससे पुलिस विभाग की छवि प्रभावित हुई है।

### साइबर सेल की भूमिका पर प्रश्न

मामले में साइबर सेल की भूमिका को लेकर भी प्रश्न उठ रहे हैं,सूत्रों के अनुसार,जुआ गतिविधियों की जानकारी पूर्व से होने तथा कार्रवाई से पहले सूचना संबंधित लोगों तक पहुंचने के आरोप लगाए जा रहे हैं,इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन इस दिशा में जांच अपेक्षित मानी जा रही है।

### थाना प्रभारी अलरिक लकड़ा पर कार्रवाई

मामले में थाना रामानुजनगर के प्रभारी निरीक्षक अलरिक लकड़ा को भी निलंबित किया गया है, आदेश में क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण न रख पाने तथा कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही को आधार बनाया गया है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमर साय आ. शिवनारायण राम माता स्व. शिवकुमारी बाई, निवासी ग्राम कंचनपुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम कंचनपुर स्थित भूमि कुल खसरा नंबर 13 कुल रकबा 12.453 हे0 भूमि पर वर्तमान मृत खातेदार स्व. शिवकुमारी का नाम विलोपित कराते हुए उनके विधिक वारिशों के नाम पर फौती दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/04/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 17/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी
सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

आगामी तिथि 24/04/2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/ विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक धर्मपाल साहू आ0 स्व. बृजलाल साहू, उम्र लगभग 68 वर्ष निवासी नगर सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला- सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2015 / 2 रकबा क्रमशः 2613 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31/03/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है। जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 24/04/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

(सील) नजूल अधिकारी ,सूरजपुर

# साहू समाज सम्मेलन बना विवाद का केंद्र

## अव्यवस्था, शिकायत और सफाई आमने-सामने

**सूरजपुर संभागीय साहू समाज सम्मेलन : आयोजन से विवाद तक-आरोप,खबर, शिकायत और सफाई का पूरा घटनाक्रम**

**28 मार्च को कर्मा जयंती पर हुआ था बड़ा आयोजन,31 मार्च और 1 अप्रैल को अव्यवस्था व 'सहयोग राशि' पर खबरें**

**शिकायत पत्र में भेदभाव और प्रोटोकॉल उल्लंघन के आरोप, व्हाट्सएप पर सफाई आई, लेकिन सवाल अब भी बरकरार**

**कर्मा जयंती सम्मेलन पर घमासान : पहले खबर,फिर शिकायत, अब सफाई पर सवाल**

**संभागीय सम्मेलन के बाद बवाल: आरोप,सोशल मीडिया सफाई और बढ़ता असंतोष**

**सूरजपुर सम्मेलन पर उठे कई सवाल, मंच से लेकर 'सहयोग राशि' तक विवाद**

**आयोजन खत्म, विवाद शुरू,साहू समाज सम्मेलन में अव्यवस्था से लेकर आरोपों तक हंगामा**

**शिकायत बनाम सफाई : साहू समाज सम्मेलन विवाद में सच क्या?**

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर में 28 मार्च को कर्मा माता जयंती के अवसर पर आयोजित साहू समाज का संभागीय सम्मेलन अब लगातार विवादों में घिरता जा रहा है, शुरुआत में इसे एक बड़े सामाजिक और सफल आयोजन के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री,मंत्री और संभाग के विभिन्न जिलों से समाज के लोगों की भागीदारी रही। कार्यक्रम के तत्काल बाद स्थानीय मीडिया में व्यवस्थाओं को लेकर खबरें सामने आई,जिनमें मंच व्यवस्था,खाली कुर्सियों, प्रबंधन की कमी और 'सहयोग राशि' को लेकर सवाल उठाए गए। इन खबरों ने पूरे आयोजन की तस्वीर पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए।

इसके बाद मामला तब और गंभीर हो गया जब समाज की ओर से प्रदेश अध्यक्ष को एक विस्तृत शिकायत पत्र भेजा गया,जिसमें कार्यक्रम को पक्षपातपूर्ण बताते हुए कई गंभीर आरोप लगाए गए,शिकायत पत्र के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही आयोजन से जुड़े लोगों की ओर से व्हाट्सएप समूहों में सफाई भी सामने आई,जिसमें परिस्थितिजन्य कारणों का हवाला दिया गया,हालांकि इस सफाई के बावजूद समाज के भीतर उठे सवाल पूरी तरह शांत नहीं हो सके हैं,वर्तमान स्थिति यह है कि यह मामला अब केवल एक आयोजन तक सीमित नहीं रह गया है,बल्कि समाज के भीतर मतभेद और नेतृत्व की भूमिका पर भी चर्चा का विषय बन गया है,सूरजपुर का यह संभागीय सम्मेलन अब एक सामान्य आयोजन से आगे बढ़कर विवाद का विषय बन चुका है, पारदर्शिता,संतुलन और स्पष्ट जानकारी ही इस विवाद को समाप्त कर सकती है,यदि ऐसा नहीं हुआ तो यह मामला आगे भी चर्चा और मतभेद का कारण बना रह सकता है।

घटती-घटना | कोरिया-सूरजपुर समाचार | अम्बिकापुर बुधवार 01 अप्रैल 2026 | 5

संभागीय साहू समाज सम्मेलन : भव्यता के बीच अव्यवस्था, खाली कुर्सियां,मंच विवाद और अंदरूनी असंतोष की पूरी तस्वीर

घटती-घटना | कोरिया समाचार | अम्बिकापुर मंगलवार 31 मार्च 2026 | 6

'सहयोग' या 'वसूली'? कर्मा जयंती में नया विवाद... वायरल चैट, बड़ा सवाल

सूरजपुर में आयोजन,कोरिया में सवाल: आखिर पैसा किस बात का?

### नेतृत्व की भूमिका पर सवाल

मामले के बढ़ने के साथ समाज के नेतृत्व पर भी सवाल उठने लगे हैं,यह अपेक्षा की जा रही है कि प्रदेश स्तर पर इस शिकायत पर उचित निर्णय लिया जाए और स्थिति को स्पष्ट किया जाए।

### वर्तमान स्थिति : मामला अब भी जारी

वर्तमान में यह विवाद समाप्त नहीं हुआ है। शिकायत, सफाई और सार्वजनिक चर्चा के बीच स्थिति अभी भी स्पष्ट नही हो पाई है,समाज के लोग इस पूरे मामले में स्पष्टता और निष्पक्षता की अपेक्षा कर रहे है।

### सफाई पर उठे सवाल

हालांकि सफाई सामने आने के बाद भी कई सवाल उठते रहे, सूची में नाम होने के बावजूद कई लोगों को मंच पर स्थान क्यों नहीं मिला,चयन का आधार क्या था,क्या सभी वर्गों को समान अवसर मिला,क्या कार्यक्रम वास्तव में पूरी तरह सामाजिक था या उसमें राजनीतिक प्रभाव रहा?

### समाज के भीतर बढ़े मतभेद

इस पूरे घटनाक्रम के बाद साहू समाज के भीतर मतभेद स्पष्ट रूप से सामने आ गए हैं,एक पक्ष आयोजन को सफल बताते हुए विवाद को अनावश्यक बता रहा है,जबकि दूसरा पक्ष इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए जांच की मांग कर रहा है।

### शिकायत के बाद वायरल हुआ मामला

शिकायत पत्र के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही यह मामला तेजी से फैल गया, व्हाट्सएप समूहों और अन्य प्लेटफॉर्म पर इस विषय पर चर्चा शुरू हो गई,जिससे समाज के भीतर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं।

### व्हाट्सएप सफाई: आयोजकों का पक्ष

शिकायत के बाद आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों की ओर से व्हाट्सएप समूहों में सफाई दी गई,जिसमें कहा गया,बारिश के कारण मंच की जमीन गीली हो गई थी,जिससे बैठने की व्यवस्था प्रभावित हुई, प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार 60 लोगों की सूची थी,लेकिन परिस्थितियों के कारण लगभग 30 लोगों को ही मंच पर बैठाया गया,सुरक्षा कारणों से कुछ लोगों को मंच से नीचे उतारा गया,कार्यक्रम सफल और भव्य रहा,आरोपों को भ्रामक और गलत जानकारी बताया गया।

### क्या था आयोजन

सूरजपुर जिले में 28 मार्च को कर्मा माता जयंती के अवसर पर साहू समाज का संभागीय सम्मेलन आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम में सरगुजा संभाग के सभी जिलों से समाज के लोगों को आमंत्रित किया गया था। आयोजन में मुख्यमंत्री, मंत्री और विभिन्न जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही,कार्यक्रम को बड़े स्तर पर आयोजित किया गया और इसे सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक आयोजन के रूप में प्रस्तुत किया गया।

### कार्यक्रम के बाद सामने आई पहली तस्वीर

कार्यक्रम के संपन्न होने के बाद स्थानीय स्तर पर व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा शुरू हो गई, लोगों के अनुभव और तस्वीरों के आधार पर यह बात सामने आई कि मंच और बैठक व्यवस्था को लेकर कई जगह असंतोष रहा, कुछ स्थानों पर खाली कुर्सियां दिखाई दीं,वहीं मंच पर सीमित स्थान के कारण लोगों के बीच असहज स्थिति बनी।

### 31 मार्च और 1 अप्रैल को प्रकाशित खबरें

स्थानीय समाचार पत्रों में 31 मार्च और 1 अप्रैल को प्रमुखता से खबरें प्रकाशित हुईं,जिनमें निम्न बिंदु उठाए गए,सम्मेलन में अव्यवस्था और प्रबंधन की कमी,मंच पर विवाद और समन्वय की कमी,खाली कुर्सियों की स्थिति,कार्यक्रम के स्वरूप पर सवाल,'सहयोग राशि' को लेकर उठे विवाद इन खबरों के प्रकाशित होने के बाद यह मुद्दा सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गया।

### 'सहयोग राशि' को लेकर विवाद

कार्यक्रम के दौरान ली गई 'सहयोग राशि' को लेकर भी समाज के भीतर सवाल उठे। कुछ लोगों ने इसे स्वैच्छिक सहयोग बताया,जबकि कुछ ने इसे अनिवार्य वसूली जैसा बताया,इस मुद्दे पर स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने के कारण विवाद और बढ़ा।

### शिकायत पत्र: आरोपों का औपचारिक रूप

में दर्ज शिकायत पत्र में कार्यक्रम को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए गए,कार्यक्रम को एक राजनीतिक दल विशेष की ओर झुका हुआ बताया गया,कांग्रेस विचारधारा से जुड़े लोगों को मंच से दूर रखने का आरोप, वरिष्ठ और सम्मानित नेताओं की उपेक्षा, मंच संचालन में प्रोटोकॉल का उल्लंघन,राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों को बोलने का अवसर नहीं दिया गया,समाज के भीतर असंतोष और विभाजन की स्थिति उत्पन्न होने की बात कही गई, शिकायत में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

## दर्री में युवक को निर्वस्त्र कर पीटा, वीडियो वायरल

-संवाददाता-
कोरबा,06 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

दर्री थाना क्षेत्र के कावेरी विहार कॉलोनी में एक युवक को नग्न कर सड़क पर दौड़ाकर पीटने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि युवक ने किसी की बाइक लेकर बेच दी थी, जिससे नाराज बाइक मालिक ने उसे पकड़कर कपड़े उतरवाए और बुरी तरह मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस के अनुसार, अभी तक किसी भी पक्ष ने लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर युवक और आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने कहा कि कानून को हाथ में लेने की अनुमति किसी को नहीं है।

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,**

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती किरण मिश्रा, सोमशेखर मिश्रा आ0 ललित किशोर मिश्रा, जाति, निवासी ब्रम्ह रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3311/3, 3311/3 रकबा 0.14 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 16-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,**

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बिहारी सिंह आ0 उद्धव नारायण सिह जाति निवासी तिवारी बिल्डिंग रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 47 / 7, 80/4 रकबा 0.27,0.07 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 16-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,**

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती मंजू गुप्ता आ0 राजेश गुप्ता जाति, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 47/53, 47/54 रकबा 0.03, 0.01 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31. 3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,**

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सुनीता राय आ0 अमर नाथ राय जाति निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 99/44 रकबा 2178 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3. 2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,**

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोमशेखर मिश्रा, श्रीमती विभा मिश्रा आ0 ललित किशोर मिश्रा, सोमशेखर मिश्रा जाति, निवासी ब्रम्ह रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला- रामानुजगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1743, 1744 रकबा 0.22, 0.06 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 20-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 02/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,**

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती शालिनी गुप्ता आ0 सुधीर गुप्ता जाति, निवासी नवापारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - जवाहर मार्केट, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3/121 रकबा 0.00 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31. 3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

**न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0**

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

**ईश्तहार**

आगामी तिथि 24/04/2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक धर्मपाल साहू आ0 स्व. बृजलाल साहू, उम्र लगभग 68 वर्ष, रामकृपाल साहू आ0 स्व. बृजलाल साहू, उम्र लगभग 60 वर्ष, सुरेश कुमार साहू आ0 स्व. बृजलाल साहू उम्र लगभग 55 वर्ष निवासी नगर सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला- सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2020/2,2021, 2022,2023,2024,2025/2, 2027/2,2037/2,2026, 2027/1, 2028 क्रमशः 1306,1742,3049, 2178,871,900,5227,6534, 1307,3049,3920 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31/03/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है। जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है ।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 24/04/2026 को न्यायलयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 25/5/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

(सील) नजूल अधिकारी ,सूरजपुर

# 49 साल पहले बॉक्स ऑफिस पर तूफान लेकर आई फिल्म,25 हफ्ते तक थिएटर्स में किया था राज

49 साल पहले एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई थी जो 25 हफ्ते तक सिनेमाघरों में चलती रही थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया था। अमिताभ बच्चन की एक फिल्म 49 साल पहले सुपर-डुपर हिट रही थी। इस फिल्म के बनने के पीछे का एक कारण गुस्सा था। जी हां, प्रोड्यूसर सलीम-जावेद से एक फिल्म की स्क्रिप्ट खरीदना चाहते थे, लेकिन उन्होंने यह कहानी किसी और को दे दी। फिर क्या था। सेम आइडिया से ही प्रोड्यूसर ने फिल्म बना डाली और फिल्म सुपर-डुपर हिट निकल गई।

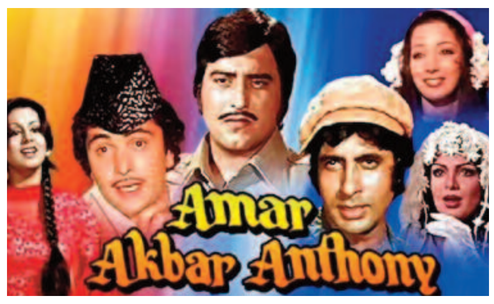


### 2 साल तक टल गई थी फिल्म

फिल्म की कहानी कादर खान ने लिखी थी। दो साल फिल्म की रिलीज डेट टली, लेकिन जब सिनेमाघरों में उतरी तो 25 हफ्ते तक बड़े पर्दे से नहीं हट पाई। फिल्म देखने के लिए दर्शक सिनेमाघरों के बाहर लंबी कतार लगाए खड़े रहते थे। यह फिल्म उस साल की सबसे बड़ी हिट थी। यह प्रोड्यूसर मनमोहन देसाई थे।

### गुस्से में बनी थी फिल्म

दरअसल,मनमोहन देलाई का फिल्म का कनेक्शन अमिताभ बच्चन की फिल्म ईमान धरम से जुड़ा हुआ है। हुआ यूं कि मनमोहन देसाई ने प्रोड्यूसर ए.जी. नाडियाडवाला को सलाह दी कि वह सलीम-जावेद से फिल्म ईमान धरम की कहानी खरीद लें। मगर ज्यादा पैसे के चक्कर में सलीम-जावेद ने यह कहानी प्रोड्यूसर प्रेमजी को थमा दी। सलीम-जावेद ने मनमोहन देसाई से कहा था कि स्क्रिप्ट में थोड़ी गड़बड़ है तो वह इसे स्क्रिप्ट छोड़ दें।

मगर जब सलीम-जावेद ने प्रेमजी को कहानी बेची और फिल्म ईमान धरम पर काम शुरू हुआ तो मनमोहन देसाई को ठेस पहुंची और उन्होंने गुस्से में सेम आइडिया पर एक नई स्क्रिप्ट लिखने का फैसला किया। इस फिल्म में तीनों धर्मों को दिखाना था। बस फिर क्या था, इस तरह मनमोहन देसाई ने एक नई स्क्रिप्ट के साथ फिल्म अमर अकबर एंथनी बनाई और यह सुपर-डुपर हिट निकल गई।

### 25 हफ्ते तक थिएटर्स में चली थी फिल्म

ईमान धरम एक और फ्लॉप थी तो वहीं अमर अकबर एंथनी सेम ईयर रिलीज होकर ब्लॉकबस्टर निकल गई। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक,करीब 1 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने 7 करोड़ के ऊपर कारोबार किया था। यह फिल्म मुंबई के 25 सिनेमाघरों में 25 हफ्ते तक लगातार चली थी।

अमर अकबर एंथनी में अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना, ऋषि कपूर,परवीन बाबी,नीतू सिंह,शबाना आजमी,निरुपा रॉय और प्राण जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में थे। फिल्म की कहानी तीन भाइयों की है जिनकी परवरिश अलग-अलग धार्मिक परिवारों में होती हैं और वे कई सालों के बाद फिर से मिलते हैं। वे उन्हें अलग करनेवाले लोगों से बदला लेते हैं।

## हॉरर फिल्म से रातोंरात स्टार बनी एक्ट्रेस

### 5 साल में 6 फिल्में करके पर्दे से हुईं ओझल, ड्रग्स केस में उछल चुका है नाम

फिल्मी दुनिया में ऐसे कई स्टार हैं, जिन्होंने धमाकेदार शुरुआत के बाद एक कॉन्ट्रोवर्सी के चलते अपना सबकुछ खो दिया। इन्हीं में से एक हैं प्रयागा मार्टिन, जिन्होंने मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के साथ काम किया, लेकिन एक विवाद ने सब कुछ तहस-नहस कर दिया। बॉलीवुड से लेकर साउथ तक में ऐसे कई सितारे हैं,जिनका करियर किसी रोलर कोस्टर राइड की तरह रहा है। कभी इंडस्ट्री में चमकता सितारा रहे,लेकिन फिर करियर में वो मोड़ भी आया, जब पूरी इंडस्ट्री ने इनसे मुंह फेर लिया। किसी के फ्लॉप होते प्रोजेक्ट्स ने इन्हें साइड लाइन कर दिया तो किसी के लिए एक कॉन्ट्रोवर्सी सिर का दर्द बन गई। प्रयागा मार्टिन का करियर भी कुछ ऐसा ही रहा है। प्रयागा ने टीनएज में ही फिल्मी दुनिया में कदम रख दिए थे और किसी छोटे-मोटे नहीं बल्कि मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म से डेब्यू किया था। इसके बाद प्रयागा ने हॉरर फिल्म में भूत का रोल निभाया और रातोंरात स्टार बन गई,लेकिन अचानक ही उनके करियर की रफ्तार कम हो गई।

## बॉक्स ऑफिस पर होगा सनी देओल का धमाका

### सिनेमाघरों में तबाही मचाने आ रही नई फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर आंधी के बीच सनी देओल की एक अपकमिंग फिल्म आने वाली है जिसकी तैयारी शुरू हो गई है। बॉर्डर 2 के बाद सनी देओल फिर से बॉक्स ऑफिस पर तूफानी रफ्तार से छा जाने की तैयारी में हैं। धुरंधर 2 की बॉक्स ऑफिस पर हलचल के बीच सनी ने अपनी एंटीसिपेटेड फिल्म पर काम शुरू कर दिया है।68 साल के सनी देओल के पास फिल्मों की कमी नहीं है। गदर 2, जाट और बॉर्डर 2 की ताबड़तोड़ सफलता के साथ ही अभिनेता के पास आगामी फिल्मों की एक लंबी लिस्ट है।

### अपकमिंग फिल्म के लिए सनी देओल ने कसी कमर

अपनी अपकमिंग फिल्मों में से एक पर सनी देओल पर काम शुरू कर दिया है। सनी देओल पिछले कुछ समय से अपनी हाई ओक्टेन एक्शन ड्रामा एंटनी की शूटिंग में व्यस्त हैं। पहले मुंबई में शूट हुआ और अब फिल्म की शूटिंग गोवा में हो रही है जिसके लिए सनी देओल रवाना भी हो चुके हैं।

### फाइट सीन शूट करेंगे सनी

मिड-डे के मुताबिक, एंटनी की शूटिंग गोवा में करीब एक महीने तक होने वाली है। गोवा में डायरेक्टर बालाजी गणेश के निर्देशन में बन रही एंटनी का फाइट सीन शूट होना है। फिल्म में समुद्र के किनारे एक फाइट सीन भी शामिल है। फिल्म का ज्यादातर फाइट सीन सनी देओल ही करने वाले हैं।

### क्या है एंटनी फिल्म की कहानी?

फिल्म की कहानी एक पुलिसवाले की है जो गोवा में एक क्राइम सिंडिकेट का भंडाफोड़ करने की कोशिश कर रहा है। फिल्म में पुलिस की भूमिका सनी देओल निभा रहे हैं, जबकि खलनायक की भूमिका में विजय वर्मा नजर आएंगे। फिल्म में साउथ एक्ट्रेस ज्योतिका भी अहम भूमिका में हैं।

## भूत बंगला के ट्रेलर पर लोगों का मजेदार रिएक्शन

### अक्षय की कॉमेडी से मचा धमाल

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर आउट हो गया है जिसे देख यूजर्स फनी रिएक्शन दे रहे हैं। हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला का मोस्ट अवेटेड ट्रेलर जारी हो गया है। प्रियदर्शन निर्देशित फिल्म का ट्रेलर देख हंस-हंसकर लोट-पोट होना तय है। करीब डेढ़ दशक बाद प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की आइकॉनिक जोड़ी लौट आई है। इस बार जादू भूल भुलैया जैसा ही देखने को मिलेगा।

### भूत बंगला का ट्रेलर हुआ आउट

सोमवार को भूत बंगला का ट्रेलर रिलीज किया गया जिसमें हॉरर के साथ-साथ फुल ऑन कॉमेडी देखने को मिली। अक्षय कुमार, परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी की पलटन ने ट्रेलर में भर-भरकर कॉमेडी का तड़का लगाया है। फिल्म में कुछ आइकॉनिक सीन्स और डायलॉग्स हैं जो प्रियदर्शन ने अपनी कल्ट कॉमेडी फिल्मों से लिए हैं, जैसे-बहन डर गई, बहन डर गई, मैं कोई मंदिर का घंटा हूं जो हर कोई बजा देता डायलॉग्स और परेश रावल पर लोटा मारने वाला सीन।

### ट्रेलर देख क्रेजी हुए फैंस

अक्षय कुमार की फिल्म का ट्रेलर देख यूजर्स भी मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। भूत बंगला का ट्रेलर देख लोगों को अक्षय कुमार का बहन डर गई वाला डायलॉग काफी पसंद आया। ओरिजिनली यह डायलॉग अक्षय की फिल्म भागम भाग से है। एक यूजर ने लिखा,भूत बंगला नहीं,ओरिजिनल भूल भुलैया 2। एक ने कहा, बहन डर गई, एपिक था। एक और यूजर ने इसे आइकॉनिक डायलॉग बताया।

एक यूजर ने लिखा, यह पर्सनल लगा। एक ने कहा,सिर्फ एके (अक्षय कुमार) अपना मास्टरपीस रीक्रिएट कर सकते हैं। एक यूजर ने कहा,अक्षय कुमार सोच रहे होंगे-कार्तिक तू तो गया बेटे। कुछ यूजर्स ने कहा कि भूत बंगला को देख नोस्टाल्जिया वाली फीलिंग आ रही है।

### कब रिलीज होगी भूत बंगला?

प्रियदर्शन निर्देशित भूत बंगला पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी,लेकिन अब यह फिल्म 16 अप्रैल को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। फिल्म अक्षय के अलावा परेश रावल, राजपाल यादव, मिथिला पालकर,वामिका गब्बी,असरानी और तब्बू जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

## सलमान खान ने अपने सुख पर लुटाया प्यार

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपने सुख के साथ एक पोस्ट शेयर किया है जो अब वायरल हो रहा है।सलमान खान सोशल मीडिया पर कम एक्टिव रहते हैं, लेकिन जब भी वह कोई पोस्ट करते हैं तो वह सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है। इस वक्त इंटरनेट पर एक्टर की नई फोटोज का जादू छाया हुआ है। सलमान खान ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, लेकिन यह पोस्ट इसलिए खास है, क्योंकि इसमें अभिनेता अपने सुख के साथ दिख रहे हैं।

### सुख के साथ खिलखिलाए सलमान खान

दरअसल, सुल्तान एक्टर सलमान खान ने सुबह 3.55 बजे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने सुख के साथ ढेर सारी तस्वीरें शेयर की हैं। अभिनेता का ये सुख कोई और नहीं,बल्कि उनका डॉगी है। वह अपने डॉगी के साथ सुबह-सुबह वक्त बिताते हुए और उसके साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि अपने सुख के साथ सलमान खान के चेहरे पर अलग ही चमक है। वह उसके साथ हैंडशेक कर रहे हैं और मस्ती कर रहे हैं। एक्टर ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 3.55- मेरा सुख।

### सलमान खान की पर्सनैलिटी पर फिदा हुए फैंस

तस्वीरों में 60 साल के सलमान खान काफी हैंडसम लग रहे हैं। अभिनेता ने व्हाइट कलर की शर्ट और ब्लैक जींस पहनी है। उनकी तस्वीरें देख यूजर्स कमेंट बॉक्स में उनकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा,भाई की झलक,सबसे अलग। एक यूजर ने उन्हें दुनिया का सबसे हैंडसम आदमी बताया।



# मुंबई इंडियंस के सामने होगी राजस्थान रॉयल्स की मुश्किल चुनौती

### गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच रोमांचक भिड़ंत होगी... लगातार दो जीत के साथ राजस्थान की नजरें हैट्रिक पर हैं,जबकि दिल्ली से हारी मुंबई इंडियंस अपनी गेंदबाजी में सुधार कर वापसी करना चाहेगी...

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** आईपीएल 2026 के 13वें मुकाबले में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स की भिड़ंत गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई इंडियंस से होगी। दोनों टीमों के बीच आईपीएल में कांटे की टक्कर देखने को मिलती है। इस बार भी कुछ ऐसा ही होने की उम्मीद है। दोनों टीमों के पास दमदार खिलाड़ियों की पूरी फौज है। ऐसे में फैंस को एक रोमांचक मुकाबले की पूरी उम्मीद है।

### हेड टू हेड में भी कांटे की टक्कर

राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में अब तक एक-दूसरे के खिलाफ कुल 31 मुकाबले खेले हैं। इनमें से 16 में मुंबई इंडियंस ने जीत दर्ज की है, जबकि 14 मुकाबले राजस्थान रॉयल्स ने जीते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 की शुरुआत लगातार दो जीत के साथ की है। वहीं मुंबई इंडियंस को अपने दो मुकाबलों में से एक में जीत मिली है, वहीं एक मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

### राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी दमदार फॉर्म में

शुरुआती दो मुकाबलों में राजस्थान के लिए सब कुछ सही रहा है। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी टीम को अच्छी शुरुआत देने में सफल रही है तो नंबर तीन पर खेलते हुए ध्रुव जुरेल ने पिछले मुकाबले में 42 गेंदों में 75 रनों की शानदार पारी खेली थी। हालांकि कप्तान रियान पराग और शिमरोन हेटमायर से भी आरआर को इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर और तुषार देशपांडे की जोड़ी राजस्थान रॉयल्स के लिए कारगर साबित हुई है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आर्चर-तुषार ने मिलकर आखिरी 2 ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई थी। नांद्रे बर्गर भी किफायती रहने के साथ-साथ विकेट निकालने में भी सफल रहे हैं।

### मुंबई इंडियंस को मिली एक हार

वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को हराने के बाद मुंबई इंडियंस को टूर्नामेंट के अपने दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए थे। रोहित शर्मा ने 26 गेंदों में 35 रन बनाए थे, जबकि सूर्यकुमार यादव ने 36 गेंदों में 51 रनों का योगदान दिया था। हालांकि तिलक वर्मा, रयान रिकेल्टन और शेरफेन रदरफोर्ड बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे। दिल्ली कैपिटल्स ने 163 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 4 विकेट खोकर 18.1 ओवर में हासिल कर लिया था। दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह और मिचेल सैंटनर गेंद से काफी किफायती रहे थे, लेकिन शार्दुल ठाकुर ने 3 ओवर में 41 रन खर्च किए थे। वहीं मयंक मारकंडे और कॉर्बिन बॉश भी महंगे साबित हुए थे।

# पथिराना-हसरंगा ने एसएलसी को अब तक नहीं दिया फिटनेस टेस्ट

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने पुष्टि की है कि मथीशा पथिराना और वानिंदु हसरंगा उन 15 श्रीलंकाई खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने अब तक सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के तहत अनिवार्य फिटनेस टेस्ट नहीं दिया है। इनके अलावा, 6 अन्य खिलाड़ी ऐसे हैं जो कम से कम एक बार इस फिटनेस टेस्ट में फेल हो चुके हैं। कुल 45 अनुबंधित खिलाड़ियों में से अभी तक सिर्फ 24 खिलाड़ी ही इस टेस्ट को पास कर पाए हैं। जिन खिलाड़ियों ने अभी टेस्ट नहीं दिया है, उनके कारण अलग-अलग हैं। इनमें कुछ चोटिल हैं, जबकि कुछ को लॉजिस्टिक समस्याओं का सामना करना पड़ा है। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान हसरंगा और पथिराना पर है, क्योंकि दोनों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में खेलना है। हसरंगा लखनऊ सुपर जायंट्स (एसएसजी) और पथिराना कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा हैं। ऐसे में,उनकी फिटनेस और टेस्ट क्लीयर करना बेहद अहम हो जाता है, क्योंकि इसका सीधा असर उनके आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट शेड्यूल पर पड़ सकता है। हसरंगा की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक नजर आ रही है। एसएलसी के एक सूत्र ने बताया कि ÷हसरंगा ने अभी तक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के अनुरोध नहीं किया है। 28 वर्षीय लेग-स्पिनर को फरवरी में आयरलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि वह अपना फिटनेस टेस्ट कब देंगे। पथिराना भी इसी टूर्नामेंट के दौरान चोटिल हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान उनकी पिंडली की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने नेट्स में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है। खिलाड़ी के करीबी सूत्रों को उम्मीद है कि वह अप्रैल के मध्य तक आईपीएल खेलने भारत पहुंच जाएंगे। हालांकि, श्रीलंका क्रिकेट के अनिवार्य फिटनेस टेस्ट के लिए अभी तक कोई आधिकारिक तारीख तय नहीं की गई है। हालांकि, यह संकेत मिलता है कि यह टेस्ट अगले हफ्ते होने की संभावना है।

## सात्विक-चिराग टूर्नामेंट से हटे

### भारत की उम्मीदें लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु पर...

**नई दिल्ली,06 अप्रैल 2026।** भारतीय डबल्स के स्टार खिलाड़ी सात्विक साईराज-चिराग शेट्टी एक और बड़े टूर्नामेंट से हट गए हैं। यह जोड़ी, जो पहले ही चोट के कारण स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी, प्रतिष्ठित बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में नहीं खेल रही है। कोच टैन किम हर ने पीटीआई को बताया कि सात्विक कंधे की चोट के कारण टूर्नामेंट से हट रहे हैं। सात्विक साईराज-चिराग शेट्टी उस साल एक साथ नहीं आ रहे हैं। दोनों हाल ही में फिटनेस की समस्याओं से जूझ रहे हैं। भारतीय जोड़ी, जो चोट के कारण स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल सकी थी,एक बार फिर चोट के कारण बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में नहीं खेल रही है। 2023 में जीतने वाली सात्विक-चिराग की जोड़ी के जाने से, भारत ने पदक की उम्मीद लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु पर टिका दी है कंधे की चोट से उबर रहे प्रणय और किदांबी श्रीकांत रिंग में हैं,लेकिन उनके हालिया फॉर्म का मतलब यह नहीं है कि उन्हें मेडल की गारंटी है। दिनेश खन्ना ने 1965 बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप में पुरुष सिंगल्स में गोल्ड मेडल जीता था।

## एमबाप्पे फिट,बड़े मुकाबलों के लिए तैयार

**रियल मैड्रिड,06 अप्रैल 2026।** यूरोपीय फुटबॉल में बड़ी खबर सामने आई है, एमबाप्पे के फिर से फिट होने को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं। रियल मैड्रिड से जुड़े पूर्व खिलाड़ी अर्बेलोआ ने कहा है कि एमबाप्पे जैसे खिलाड़ी को टीम में ऐसे ही बड़े मुकाबलों के लिए लाया जाता है,जैसे एफसी बार्यन मुनींच के खिलाफ होने वाली चैंपियंस लीग टाई। रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में फिटनेस को लेकर सवालों में रहे एमबाप्पे अब पूरी तरह से वापसी के करीब हैं। टीम मैनेजमेंट और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और उन्हें अहम मुकाबलों के लिए तैयार किया जा रहा है। अर्बेलोआ ने कहा कि एमबाप्पे की मौजूदगी टीम के आक्रमण को नई धार देती है। उनकी गति, तकनीक और गोल करने की क्षमता उन्हें बड़े मैचों का खिलाड़ी बनाती है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ऐसे खिलाड़ी दबाव वाले मुकाबलों में टीम के लिए फर्क पैदा करते हैं। रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख के बीच होने वाले मुकाबले को यूरोप के सबसे बड़े मुकाबलों में गिना जाता है। दोनों टीमों का इतिहास और प्रदर्शन इसे और खास बनाता है। ऐसे में एमबाप्पे का फिट होना रियल मैड्रिड के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

इस सीजन में एमबाप्पे ने अपने प्रदर्शन से कई बार टीम को जीत दिलाई है। चोट के कारण उनकी गैरमौजूदगी टीम के लिए चुनौती रही, लेकिन अब उनकी वापसी से टीम का संतुलन मजबूत होता दिख रहा है। फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि एमबाप्पे जैसे खिलाड़ी की वापसी से मुकाबले का स्तर और ऊंचा हो जाएगा। बायर्न म्यूनिख जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उनकी भूमिका बेहद अहम हो सकती है। फिलहाल, टीम मैनेजमेंट किसी भी तरह का जोखिम लेने के पक्ष में नहीं है और उन्हें पूरी तरह फिट होने के बाद ही मैदान में उतारा जाएगा। लेकिन अर्बेलोआ के बयान ने साफ कर दिया है कि एमबाप्पे को ऐसे ही बड़े मुकाबलों के लिए तैयार किया गया है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वह इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले में कितना प्रभाव डाल पाते हैं।

## दिलीप वेंगसरकर 70 साल के हुए

### क्रिकेट और प्रशासन में योगदान यादगार

**चेन्नई,06 अप्रैल 2026।** सोमवार, 6 अप्रैल को भारतीय क्रिकेट के दिग्गज दिलीप वेंगसरकर ने 70 साल पूरे किए। अपनी पीढ़ी के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक वेंगसरकर ने मैदान पर अपनी तकनीक और समझदारी से क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीता। क्रिकेट के अलावा, उन्होंने सिलेक्शन के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और युवा क्रिकेटरों को प्रशिक्षित करने के लिए दशकों तक ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए। इसके अलावा, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने जब उन्हें मदद के लिए बुलाया,तो उन्होंने एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में भी काम किया, जिससे संगठन को स्थिरता और दिशा मिली। वेंगसरकर का योगदान केवल बल्लेबाजी तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्होंने खेल और प्रशासन दोनों में अपने अनुभव से कई नई पहल को आगे बढ़ाया। उनके करियर और समाजोपयोगी प्रयासों के लिए उन्हें आज भी सम्मानित किया जाता है।

CMYK

# जग्गी हत्याकांड...अमित जोगी को उम्रकैद

## कोर्ट ने कहा-सभी आरोपितों के लिए एक समान न्याय जरूरी

**बिलासपुर,06 अप्रैल 2026।** छत्तीसगढ़ के चर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में आखिरकार लंबी कानूनी लड़ाई के बाद उच्च न्यायालय ने आज सोमवार को अहम फैसला सुनाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को उम्रकैद की सजा दी। साथ ही 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि समान अपराध में शामिल आरोपितों के साथ अलग-अलग व्यवहार न्यायसंगत नहीं है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविन्द वर्मा की स्पेशल डिवीजन बेंच ने बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में अहम फैसला सुनाते हुए अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी करार दिया। अदालत ने उन्हें उम्रकैद और 1000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा नहीं करने पर 6 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अदालत ने अपने फैसले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि जब सभी आरोपितों पर एक ही अपराध में शामिल होने का आरोप हों, तो किसी एक आरोपित के साथ जानबूझकर अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि जब सभी आरोपितों के खिलाफ एक जैसे सबूत हों, तो किसी एक को बरी कर देना और बाकी को उन्हीं सबूतों के आधार पर दोषी ठहराना सही नहीं है, जब तक कि उसे छोड़ने का कोई ठोस और अलग कारण साबित न हो। यानी अमित जोगी को उच्चतम न्यायालय से भी राहत नहीं मिल सकी। यह मामला गत 4 जून 2003 का है, जब रायपुर में एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में कुल 31 लोगों को आरोपित बनाया गया था,जिनमें से बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह बाद में सरकारी गवाह बन गए थे। निचली अदालत ने 28 आरोपितों को दोषी ठहराया था,जबकि 31 मई 2007 को रायपुर की विशेष अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए अमित जोगी को बरी कर दिया था। अमित जोगी को बरी किए जाने के खिलाफ रामावतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की थी। इस दौरान अमित जोगी को राहत मिलते हुए स्टे मिला था, लेकिन बाद में उच्चतम न्यायालय ने मामले को दोबारा सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय भेज दिया। इससे पहले डिविजन बेंच ने दो साल पहले इस हत्याकांड के अन्य दोषियों की अपील खारिज करते हुए उनकी उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा था। वहीं,उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए इसे फिर से उच्च न्यायालय भेजने का निर्देश दिया था। हत्याकांड के बाद प्रारंभिक पुलिस जांच पर पक्षपात के आरोप लगे थे, जिसके चलते राज्य सरकार ने मामला सीबीआई को सौंप दिया था। सीबीआई ने अपनी जांच में अमित जोगी समेत कई लोगों पर हत्या और साजिश रचने के आरोप लगाए थे। उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान सतीश जग्गी की ओर से अधिवक्ता बीपी शर्मा ने पक्ष रखते हुए तर्क दिया कि यह हत्याकांड तत्कालीन राज्य सरकार की ओर से प्रायोजित था। उन्होंने कहा कि जब सीबीआई जांच शुरू हुई, तब सरकार के प्रभाव में कई सबूत मिटा दिए गए थे। ऐसे मामलों में केवल भौतिक साक्ष्य ही नहीं, बल्कि साजिश का पर्दाफाश भी अहम होता है,इसलिए आरोपितों को केवल सबूतों के अभाव में दोषमुक्त नहीं किया जा सकता। रामावतार जग्गी, कारोबारी पृष्ठभूमि से जुड़े हुए थे और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल के करीबी माने जाते थे। जब विद्याचरण शुक्ल ने कांग्रेस छोड़कर एनसीपी का दामन थामा, तो जग्गी भी उनके साथ शामिल हुए और उन्हें छत्तीसगढ़ में पार्टी का कोषाध्यक्ष बनाया गया था।

### सुप्रीम कोर्ट में 20 को होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट से अमित जोगी को फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है, हालांकि कोर्ट ने मामले को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है और 20 अप्रैल को इसकी सुनवाई होगी। जोगी की ओर से दो आदेशों को चुनौती दी गई है पहला, जिसमें सीबीआई को अपील करने की अनुमति दी गई और दूसरा,हाईकोर्ट का वह फैसला, जिसमें उन्हें हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई। दोनों मामलों को सुप्रीम कोर्ट ने एक साथ सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। प्रारंभिक सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजीव मेहता की बेंच में हुई। जोगी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल,मुकुल रोहतगी, विवेक तन्खा और सिद्धार्थ दवे ने पक्ष रखा। वकीलों ने दलील दी कि हाईकोर्ट ने अपने फैसलों में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया और बिना सुनवाई का मौका दिए आदेश पारित कर दिए। सुप्रीम कोर्ट ने जोगी को 20 अप्रैल से पहले अंतिम निर्णय के खिलाफ अपील करने की छूट दी है, ताकि सभी मामलों की एक साथ सुनवाई की जा सके।

### छत्तीसगढ़ में बनाई जाएंगी 9 बायपास सड़कें

## लोक निर्माण विभाग ने 448 करोड़ किए मंजूर,लोगों को ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

**रायपुर,06 अप्रैल 2026।** मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम करने तथा तेज व सुव्यवस्थित यातायात के लिए लोक निर्माण विभाग ने हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में नौ बायपास सड़कों के लिए कुल 448 करोड़ 13 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने स्थानीय लोगों की मांगों व जरूरतों को देखते हुए इन बायपास सड़कों के लिए प्राथमिकता से राशि मंजूर करने के निर्देश दिए थे। लोक निर्माण विभाग द्वारा रायगढ़ जिले में तमनार बायपास मार्ग के लिए 152 करोड़ 17 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि से 6 किमी बायपास सड़क का निर्माण किया जाएगा। विभाग ने रायगढ़ शहर में रिंग रोड (बायपास मार्ग) के लिए 70 करोड़ 47 लाख रुपये मंजूर किए हैं। खरसिया के बायपास क्रमांक-3 कबीर चौक से डभरा रोड तक 2 किमी सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए भी 7 करोड़ 22 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। विभाग ने धमतरी जिले में 4 किमी लंबाई के भखारा बायपास के लिए 14 करोड़ 94 लाख रुपये तथा 1.50 किमी लंबाई के नारी बायपास मार्ग के लिए 7 करोड़ 97 लाख रुपये मंजूर किए हैं। बलौदाबाजार में लटुवा, पनगांव होते हुए 15 किमी लंबे बलौदाबाजार बायपास सड़क के लिए 88 करोड़ 68 लाख रुपये एवं 7 किमी लंबे रिसदा बायपास मार्ग के लिए 20 करोड़ 99 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। लोक निर्माण विभाग ने बिलासपुर में 13.40 किमी कोनी-मोपका फोरलेन बायपास मार्ग के लिए 82 करोड़ 80 लाख रुपये और बेमेतरा जिले में 1.20 किमी कांक्रीटीकृत छिरहा बायपास सड़क के लिए 2 करोड़ 89 लाख रुपये की भी मंजूरी दी है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने कहा कि, 'राज्य शासन शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में निर्बाध, तेज और सुरक्षित यातायात उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए बायपास सड़कों, पुलों और ओवरब्रिजों का निर्माण प्राथमिकता से किया जा रहा है। इससे आवागमन और अधिक स्मूथ,तेज एवं व्यवस्थित होगा। हम प्रदेश के समग्र विकास के लिए आधुनिक और मजबूत सड़क अधोसंरचना लगातार विकसित कर रहे हैं।

### छत्तीसगढ़ में महादेव के बाद सांई सट्टा ऐप...

## आईपीएल मैचों में लगवा रहे थे लाखों का दाव फार्महाउस में पुलिस ने मारी रेड,5 गिरफ्तार

**राजनांदगांव,06 अप्रैल 2026।** छत्तीसगढ़ में महादेव के बाद सांई सट्टा ऐप के ऑनलाइन सट्टा संचालित होने का मामला सामने आया है। आईपीएल शुरू होते ही सट्टेबाज सक्रिय हो चुके हैं। राजनांदगांव पुलिस ने सोमवार को एक हाईटेक ऑनलाइन सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ किया है। फार्महॉउस में अवैध तरीक के सट्टा रैकेट संचालित हो रहा था।

इससे जुड़े 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है,जबकि 2 आरोपी फरार है। जानकारी के मुताबिक,फार्महाउस में छापा की कार्रवाई में सामने आया कि यह रैकेट 'सांई ऐप' के माध्यम से हर बॉल और ओवर पर लाखों रुपये का दांव लगवा रहे थे। कोड वर्ड में सट्टा लिखा जा रहा था और पूरा नेटवर्क मोबाइल, लैपटॉप के साथ अन्य डिजिटल उपकरणों के जरिए संचालित हो रहा था।

### 5 आरोपी गिरफ्तार,2 फरार

कार्रवाई में कुल 7 आरोपियों की पहचान की गई, जिनमें से 5 को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि 2 आरोपी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपियों में वीरू प्रजापति, रूपेश पाण्डे, आयुष मेश्राम, मोहित देवांगन और लक्की देवांगन शामिल हैं। फरार आरोपियों में मूलचंद देवांगन और नागपुर निवासी सादिक खान शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है।

### कड़ी धाराओं में मामला दर्ज

आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6, 7, 8, भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 112 (संगठित अपराध) और आईटी एक्ट की धारा 66(डी) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

### बरामद सामग्री और रकम

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मौके से 2 लैपटॉप, 1 टैबलेट, 7 मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल, 3 चार्जर और नगदी 1,000 रुपये जब्त किए हैं। सट्टा-पट्टी में करीब 9 लाख 20 हजार रुपये का हिसाब दर्ज मिला है,जबकि कुल जब्ती की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है।

# छत्तीसगढ़ की धरती के कण-कण में बसे हैं भगवान श्रीराम : मुख्यमंत्री साय

**रायपुर,06 अप्रैल 2026।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के कुनकुरी के सालियाटोली में आयोजित भव्य संगीतमय श्रीराम कथा महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन और चरित्र का उल्लेख करते हुए उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस पावन अवसर पर व्यासपीठ पर विराजमान परम पूज्य संत चिन्मयानंद बापूजी को सादर नमन करते हुए कहा कि आज कुनकुरी की यह पावन धरा धन्य हो गई है।

उन्होंने कहा कि सालियाटोली का यह स्टेडियम श्रीराम कथा के रसपान से साक्षात श्रीराम का धाम बन गया है और चारों ओर 'जय श्रीराम' की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम का छत्तीसगढ़ से अत्यंत गहरा संबंध है। यह माता कौशल्या की पावन धरती है और भगवान श्रीराम का ननिहाल है, जहाँ वे भांजे के रूप में घर-घर में पूजे जाते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भगवान श्रीराम ने अपने 14 वर्ष के वनवास का अधिकांश समय दंडकारण्य क्षेत्र एवं छत्तीसगढ़ के जंगलों में बिताया, जिससे यहाँ के कण-कण में राम की उपस्थिति अनुभव होती है। वनवास काल से जुड़े सीता रसोई जैसे अनेक पवित्र स्थल आज भी इस भूमि की आध्यात्मिक विरासत के साक्षी हैं। उन्होंने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि हम उस कालखंड में जीवन जी रहे हैं, जब अयोध्या में भगवान श्रीराम की पुनः प्रतिष्ठा हुई है। श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा ने पूरे भारत को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दृढ़ संकल्प से संभव हो सका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह संकल्प लिया था कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को श्रीरामलला के दर्शन कराए जाएंगे।

इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने गठन के साथ ही रामलला दर्शन योजना प्रारंभ की, जिसके माध्यम से अब तक लगभग 42 हजार श्रद्धालु अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भगवान श्रीराम भारतीय जनमानस के कण-कण में विराजमान हैं। जांजगीर क्षेत्र में रामभक्ति का विशेष स्वरूप देखने को मिलता है, जहाँ रामनामी समुदाय के लोग अपने रोम-रोम में राम का नाम बसाए हुए हैं और अपनी आस्था के प्रतीक स्वरूप अपने शरीर पर 'राम-राम' का गोदना अंकित कराते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से 300 मीट्रिक टन सुगंधित चावल और 100 टन से अधिक हरी सब्जियां अयोध्या भेजी गई थीं। यह विशेष भोग ननिहाल के प्रेम और 500 वर्षों के संघर्ष के पश्चात प्रभु की स्थापना के उपलक्ष्य में समर्पित किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ से गई डॉक्टरों की टीम एवं मेडिकल स्टाफ ने अयोध्या में रामभक्तों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने अवैध धर्मांतरण को रोकने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू किया है,जिसके सख्त प्रावधानों के माध्यम से इस पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, श्रीमती संयोगिता सिंह जूदेव,सुनील गुप्ता, उपेंद्र यादव,सुनील अग्रवाल,कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

## दुकान में महिला से गैंगरेप 4 आरोपी गिरफ्तार,एक फरार

**रायगढ़,06 अप्रैल 2026।** जिले में महिला सुरक्षा को झकझोर देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। कोतरारोड थाना क्षेत्र में देर रात एक महिला ग्राहक के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की। पीड़िता (37) ने 5 अप्रैल को थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें बताया कि 4 अप्रैल की रात करीब 11:30 बजे वह अपने पति के साथ सामान खरीदने मेन रोड स्थित दुकान पर गई थी। इसी दौरान ऑटो में पहुंचे आरोपी मुन्ना गिरी और उसके साथियों ने महिला को जबरन दुकान के अंदर ले जाने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी दीपक सिदार और पिंटू निषाद ने उसके पति के साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए मुन्ना गिरी, दीपक सिदार, जागेश्वर पटेल और पिंटू निषाद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध कबूल कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ऑटो भी जब्त कर लिया है। फरार आरोपी योगेश सिदार की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

## एसडीएम की जांच के बाद शिक्षक गिरफ्तार,छात्रा ने की थी शिकायत

**जांजगीर-चांपा,06 अप्रैल 2026।** जिले से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां खिसोरा प्राथमिक शाला के एक शिक्षक को छात्रा के साथ दुर्व्यवहार और अश्लील हरकतों के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार,आरोपी शिक्षक की पहचान राकेश कुर्रे के रूप में हुई है। परिजनों की शिकायत के बाद मामले की जांच एसडीएम ने की। जांच रिपोर्ट में शिक्षक की करतूतों की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। बलौदा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 और पॉक्सो एक्ट की धारा 10 के तहत अपराध दर्ज किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

## रायपुर पुलिस कमिश्नर ने 22 निरीक्षकों का किया तबादला

### अजय झा को तेलीबांधा,शक्ति को मौदहापारा की जिम्मेदारी,राजेश सिंह संभालेंगे यातायात

// कार्यालय पुलिस कमिश्नर रायपुर कमिश्नरेट छत्तीसगढ़ //
= आदेश =

**रायपुर,06 अप्रैल 2026।** रायपुर पुलिस कमिश्नर ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से बड़ा फेरबदल करते हुए 22 निरीक्षकों का तबादला किया है। जारी आदेश के मुताबिक सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के अनुसार, आर.ए. केंद्र में पदस्थ जितेन्द्र जायसवाल को थाना खमतराई, अजय झा को तेलीबांधा और शक्ति सिंह को मौदहापारा भेजा गया है। वहीं, रितेश मिश्रा को आजाद चौक थाने की जिम्मेदारी दी गई है। टिकरापारा थाने में पदस्थ विनय सिंह बघेल को पुरानी बस्ती स्थानांतरित किया गया है, जबकि राजेश कुमार मर्दे को टिकरापारा थाना का नया प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह कबीर नगर से शिव नारायण सिंह को पंडरी थाना, गौतमचंद्र गवड़े को डीडी नगर, दीपेश कुमार सैनी को देवेंद्र नगर भेजा गया है। पंडरी थाना में पदस्थ स्वराज त्रिपाठी को गोलबाजार और आजाद चौक के अजीत सिंह राजपूत को सरस्वती नगर थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आर.ए. केंद्र से गगन बाजपेयी को कबीर नगर और अजरूद्दीन को राजेंद्र नगर थाना भेजा गया है। वहीं, खमतराई के राजेश कुमार सिंह और अजाक थाना के मनोज साहू सहित कई अधिकारियों को यातायात शाखा में पदस्थ किया गया है।

## रायपुर की नाइट क्लब में मुंबई के इंफ्लुएंसर पीला रहे युवाओं को शराब

**रायपुर,06 अप्रैल 2026।** राजधानी रायपुर में एक नाइट क्लब में नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देर रात तक पार्टी चलते हुए दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो तेलीबांधा थाना क्षेत्र स्थित पियानो प्रोजेक्ट क्लब का है। वीडियो में देखा जा सकता है कि क्लब में देर रात तक कार्यक्रम जारी रहा, जबकि निर्धारित समय सीमा के बाद गतिविधियां बंद करने के निर्देश होते हैं। जानकारी के अनुसार, इस दौरान बाहर से बुलाए गए कुछ इंफ्लुएंसर भी मौजूद थे, जो लोगों को अपने हाथों से शराब परोसते नजर आए। यह स्थिति नियमों के उल्लंघन की ओर संकेत करती है। घटना की जानकारी मिलने पर तेलीबांधा थाना की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की। हालांकि,इस संबंध में आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से वायरल होने के बाद लोगों के बीच इस मामले को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

### छत्तीसगढ़ में डॉक्टरों के लिए बड़ा फैसला,पीजी अध्ययन अवकाश 2 से बढ़ाकर 3 वर्ष किया गया

**रायपुर,06 अप्रैल 2026।** छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने सेवारत चिकित्सकों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पीजी पाठ्यक्रम हेतु अध्ययन अवकाश की अवधि 2 वर्ष से बढ़ाकर 3 वर्ष कर दी है। इस फैसले को प्रदेश के डॉक्टरों के लिए बड़ी राहत और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इस निर्णय से राज्य के सैकड़ों चिकित्सकों को सीधा लाभ मिलने की संभावना है। राज्य सरकार के इस निर्णय का Chhattisgarh Doctor Federation ने स्वागत किया है। फेडरेशन का कहना है कि यह निर्णय लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों, संवाद और चिकित्सकों के हित में चलाए गए अभियान का परिणाम है। संगठन लगातार यह मांग उठा रहा था कि पीजी कर रहे डॉक्टरों को पर्याप्त अध्ययन अवकाश मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी पढ़ाई और प्रशिक्षण को पूरी तरह पूरा कर सकें। फेडरेशन के अध्यक्ष Dr. Heera Singh Lodhi ने इस निर्णय पर खुशी जताते हुए कहा कि यह सामूहिक प्रयासों की सफलता है।

## आरटीई के तहत प्रवेश न देने वाले निजी विद्यालयों की मान्यता होगी रद्द

**रायपुर,06 अप्रैल 2026।** छत्तीसगढ़ में निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, अप्रैल 2010 से प्रभावी है। इसके अंतर्गत प्रदेश के गैर-अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों की प्रारंभिक कक्षाओं में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। इन सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर,दुर्बल वर्ग और वंचित समूह के बच्चों को उनके निवास क्षेत्र के भीतर प्रवेश दिलाया जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब बच्चों की शिक्षा के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और सभी के लिए शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

**प्रतिपूर्ति राशि का पारदर्शी भुगतान :** शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत निजी स्कूलों को नर्सरी या कक्षा 1 में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना अनिवार्य है। इसके बदले राज्य सरकार प्रति बच्चा व्यय के आधार पर स्कूलों को प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान करती है। यह राशि सरकारी स्कूल में प्रति बच्चे पर होने वाले खर्च या निजी स्कूल की वास्तविक फीस (दोनों में से जो भी कम हो) के आधार पर निर्धारित की जाती है।

**अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर प्रतिपूर्ति :** छत्तीसगढ़ में शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि कई पड़ोसी राज्यों की तुलना में बेहतर या उनके समकक्ष है। प्रदेश में वर्ष 2011-12 से ही कक्षा 1 से 5 तक 7000 रूपए और कक्षा 6 से 8 तक 11 हजार 400 रूपए वार्षिक प्रतिपूर्ति राशि निर्धारित है। तुलनात्मक रूप से देखें तो मध्य प्रदेश में 4,419 रूपए बिहार में 6,569 रूपए,झारखंड में 5,100 रूपए और उत्तर प्रदेश में 5,400 रूपए वार्षिक दिए जाते हैं। यद्यपि ओडिशा, राजस्थान,महाराष्ट्र और कर्नाटक में यह राशि अधिक है,किंतु समग्र मूल्यांकन में छत्तीसगढ़ की प्रतिपूर्ति राशि संतुलित और उचित है।

**साढ़े तीन लाख से अधिक बच्चे ले रहे लाभ :** वर्तमान में राज्य के 6,862 निजी विद्यालयों में आर.टी.ई. के माध्यम से लगभग 3,63,515 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस वर्ष भी कक्षा पहली की लगभग 22,000 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी है। चूंकि सभी निजी विद्यालयों को आर.टी.ई. अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही मान्यता दी गई है,अतः यह उनकी वैधानिक जिम्मेदारी है कि वे निर्धारित सीटों पर प्रवेश सुनिश्चित करें।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)